राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 28 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–396 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बस्ती से दयाराम को ताकत दे गये प्रधानमंत्री मोदी

बस्ती । मतदान में मात्र तीन दिन शेष है। आखिरी चरण में बस्ती सदर से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी एवं विधायक दयाराम चौधरी ने समर्थकों के साथ घर-घर जाकर मतदान का आग्रह किया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक चुनावी सभा से ताकत बढी है। धुंधलका छट गया है। भाजपा प्रदेश में मजबूत सरकार बनाने जा रही है इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है। कहा कि बहन अनुप्रिया पटेल, उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, केशव प्रसाद मौर्य ने जो संदेश दिया है उससे अब तक उहापोह के शिकार रहे मतदाताओं ने तंय कर लिया है कि भाजपा को ऐतिहासिक मतों से जिताना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से गद्गद् दयाराम ने कहा कि विकास कार्यो को देखते हुये मतदाता भाजपा के पक्ष में मतदान का मन बना चुके हैं। रविवार की सुबह जब भाजपा प्रत्याशी दयाराम चौधरी प्रधानमंत्री के चुनावी सभा की तैयारियों में व्यस्त थे ठीक उसी समय बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला प्रभारी मोलहू प्रसाद तीन सौ से अधिक समर्थकों के साथ चुनाव कार्यालय पहुंचे और भाजपा को अपना समर्थन दिया। कहा कि गरीबों, मजलूमों, दीन दुखियों, अल्पसंख्यक समाज का हित भाजपा में ही सुरक्षित है। आजादी के बाद अब तक किसी सरकार ने गरीबों को वर्ष भर मुफ्त राशन नहीं दिया। गरीब खुलकर जाति, धर्म की दीवारों को तोड़कर भाजपा के साथ है। उनके साथ सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाजपा की सदस्यता लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली के बाद भाजपा प्रत्याशी दयाराम चौधरी पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ प्रचार में निकले। कुसमौर, भूअर, रमवापुर सराय आदि गांवों में घर-घर जाकर उन्होने मतदाताओं से आशीर्वाद लिया।

पंजाब के कई बच्चे यूक्रेन में फंसे, चिंता में पड़े उनके अभिभावक, खेती के लिए डीजल एकत्र करने में जुटे किसान

चंडीगढ़ । रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुई जंग का प्रभाव पंजाब में भी देखने को मिल रहा है। पढ़ाई के लिए यूक्रेन गए पंजाब के बच्चे रूस और यक्रेन में फंसे गए हैं। उनके माता-पिता चिंता में हैं। वहीं किसानों में डीजल और पेट्रोल महंगा या खत्म होने की अफवाहों से हाहाकार मच गया है। किसान अगले दिनों में बोई जाने वाली फसलों के लिए अभी से डीजल एकत्र करने में जुट गए हैं। किसान जिस तरह से डीजल की जमाखोरी कर रहे हैं, उससे लग रहा है कि निकट भविष्य में डीजल की किल्लत होने वाली है। डीजल खत्म होने के डर से किसान बड़ी मात्रा में तेल की जमाखोरी के लिए भाग-दौड़ कर रहे हैं। यह नजारा पेट्रोल पंपों पर देखने को मिल रहा है। एक-एक किसान 3-3 से 5-5 ड्रम डीजल के भरवा कर संचित कर रहे हैं। पेट्रोल की जमाखोरी भी तेजी के साथ हो रही है। यह चिंता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डीजल और पेट्रोल की किल्लत खड़ी होने के कारण दिखाई दे रही है, इस वजह से किसान तेल संचित करने में जुट गए हैं। ट्रांसपोटरों की तरफ से भी बड़े स्तर पर तेल संचित किया जा रहा है, जिससे खेती पैदावार या प्राईवेट व्हीकलों को कोई मुश्किल पेश नहीं आए। तेल एकत्र करने के लिए किसानों की तरफ से अपने आढ़तियों से भी बड़े स्तर पर कर्ज लिया जा रहा है। संगरूर जिले के गांव खेड़ीकलां के किसान जग्गी मैंबर और परमिन्दर सिंह ग्रेवाल आदि किसानों ने बताया कि डीजल की किल्लत आने के डर से वह तेल एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज डीजल का रेट करीब 19 हजार रुपए प्रति ड्रम पड़ता है, यदि तेल महंगा होता है ।

भाजपा सरकार

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए दिन-रात काम कर रही सरकार

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि सरकार यूक्रेन में फंसे सभी भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए दिन-रात काम कर रही है। मोदी ने उत्तर प्रदेश के बस्ती में एक चुनावी रैली को संबोधित हुए दुनिया भर में मौजूदा संकट का जिक्र किया और देश को ''आत्मनिर्भर बनाकर मजबूत करने की वकालत की। प्रधानमंत्री ने बस्ती के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान, हथियागढ़ में बस्ती, संत कबीरनगर, सिद्धार्थनगर और आम्बेडकर नगर जिले के विधानसभा क्षेत्रों की संयुक्त रैली के दौरान कहा कि चुनौती भरे समय में भारत ने हमेशा अपने हरेक नागरिक के जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्चे च प्राथमिकता दी है और जहां भी संकट आया, वहां से अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन गंगा चलाकर हम यूक्रेन से हजारों भारतीयों को वापस ला रहे हैं।

विपक्षी दलों पर निशाना

मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि घोर परिवारवादी कभी प्रदेश और देश का भला नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि ''घोर परिवारवादी समाज के कमजोर वर्गों पर गुंडई करने वाले मार्फो याओं को ताकत देते हैं। उन्होंने कहा, ''घोर परिवारवादियों का एक ही मंत्र है, पैसा परिवार की तिजोरी में, कानून जेब में और जनता उनके पैरों पर। ये उत्तर प्रदेश और देश को ताकतवर नहीं होने देंगे। मोदी ने कहा, ''कबीर जी ने इनके (परिवारवादियों के) लिए कहा था कि दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय और गरीब की इसी हाय ने 2014 में इन्हें झटक दिया, 2017 में पटक दिया और 2019 में साफ कर दिया और अब 2022 में तो इन्हें अपनी ही सीट बचाने के लाले पड़ गएहैं। यह भारत को ज्यादा से ज्यादा ताकतवर और आत्मनिर्भर बनाने का समय है और यह ''जात-पात, छोटी-छोटी बातों से ऊपर उठकर राष्ट्र के साथ खड़े होने का समय है। ''पहले की सरकारों की जो नीतियां थी, उन्होंने विदेश से सामान मंगाने पर जोर दिया क्योंकि इन लोगों को भारत का दूसरे देशों पर निर्भर होना अच्छा लगता है और उन्हें एक ही बात नजर आती है-कमीशन, इसलिए ये लोग कभी आत्मनिर्भर भारत की बात भी नहीं करते। राष्ट्रभक्ति और 'परिवार भक्ति में फर्क समझाते हुए मोदी ने कहा कि इन परिवारवादियों ने दशकों तक देश की सेना को पूरी तरह विदेशों पर निर्भर रखा और भारत के रक्षा उद्योग को बर्बाद कर दिया, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में ही बहुत बड़ा रक्षा गलियारा बन रहा है। ''हमारे पास तेल के कुएं नहीं हैं। हम बहुत सारा कच्चा तेल बाहर से मंगाते हैं। लाखों करोड़ रुपये उस पर खर्च करते हैं। इन लोगों ने कभी ध्यान नहीं दिया कि गन्ने से ज्यादा से ज्यादा इथेनॉल बनाकर पेट्रोल में मिलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने चीनी मिल और गन्ना किसानों की बदहाली का जिक्र करते हुए भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया और बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा, ''याद रखिए, ये किसी जाति के नहीं होते, किसी समाज के नहीं होते, इनके लिए अपना स्वार्थ सबसे बड़ा होता है। बता दें कि बस्ती और आसपास के जिलों में 3 मार्च को मतदान होगा।

कर्नाटक हिजाब विवाद को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बताया अनावश्यक

बेंगलुरु । कर्नाटक में हिजाब विवाद के बीच, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि अनावश्यक विवादों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए और छात्र स्कूल की यूनिफॉर्म द्वारा निर्देशित होने चाहिए। नायडू ने बेंगलुरु में एक निजी स्कूल में इंडोर स्पोर्ट्स एरीना और लैटरली का उद्घाटन करने के बाद कहा, कर्नाटक में जारी विवाद की तरह के अनावश्यक विवादों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। एक स्कूल में, आप सभी स्कूल की यूनिफॉर्म द्वारा निर्देशित होते हैं, चाहे वह कोई भी यूनिफॉर्म हो। विविध भारतीय संस्कृति की सुंदरता को महसूस करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, विविधता में एकता, भारत की विशेषता है। अलग भाषा, अलग वेष - फिर भी अपना एक देश। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को यह याद रखना चाहिए कि वे पहले भारतीय हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, चाहे कोई भी जाति, पंथ, लिंग, धर्म और क्षेत्र हो, इसके बावजूद हम सभी एक हैं। हम पहले भारतीय हैं। इसे सभी को याद रखना चाहिए। कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। नायडू ने यह भी कहा कि लोगों को उन भाषाओं पर गर्व महसूस करना चाहिए जो वे बोलते हैं और उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने स्कूलों में एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज पर जोर देते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस पहलू पर जोर देती है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों से खेल, एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज को प्राथमिकता देने और बच्चों में आध्यात्मिक सोच विकसित करने का भी आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने उपस्थित लोगों से कहा, आध्यात्मिकता का मतलब धर्म नहीं है। धर्म आपकी व्यक्तिगत पसंद है लेकिन हमारी संस्कृति, हमारी विरासत, हमारा धर्म (कर्तव्य) का हम सभी को अपने जीवन में पालन करना चाहिए। नायडू ने कहा कि लंबे समय तक औपनिवेशिक शासन ने हमने अपने गौरवशाली अतीत को भुला दिया। उन्होंने कहा, भारत आज आगे बढ़ रहा है ।

केंद्र सरकार एमएसपी पर कानून के बारे में नहीं दे रही संतोषजनक जवाब : बसपा सांसद

नई दिल्ली ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लोकसभा सदस्य दानिश अली ने केंद्र सरकार पर संसद के शीतकालीन सत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने की उनकी मांग का 'संतोषजनक जवाब' देने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर 'केवल एमएसपी की प्रक्रिया की व्याख्या करके वास्तविक मुद्दे से बचने की कोशिश कर रहे हैं।' चुनाव वाले राज्य, उत्तर प्रदेश के लोकसभा के सदस्य ने अपने पक्ष को सामने लाने के लिए तोमर के एक पत्र को ट्विटर पर साझा किया। अली ने पिछले साल एक दिसंबर को शून्यकाल के दौरान एमएसपी पर कानून बनाने का मुद्दा उठाया था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने 21 फरवरी को बसपा सांसद को पत्र लिखा था। तोमर ने लिखा कि केंद्र सरकार, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए हर साल दोनों फसल मौसमों में उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) की 22 प्रमुख कृषि वस्तुओं के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा करती है। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, तोरिया और छिलके वाले नारियल के लिए एमएसपी भी क्रमशः रेपसीड, सरसों और खोपरा के एमएसपी के आधार पर तय किया जाता है। तोमर ने बताया, 'सरकार अपनी विभिन्न हस्तक्षेप योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभकारी मूल्य भी देती है। इसके अलावा, समग्र बाजार एमएसपी और सरकार के खरीद कार्यक्रमों की घोषणा के अनुरूप काम किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न अधिसूचित फसलों के लिए एमएसपी पर या उससे अधिक की निजी खरीद होती है।' मंत्री ने कहा, सरकार भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों के माध्यम से धान और गेहूं के लिए मूल्य समर्थन प्रदान करती है। साथ ही, विभिन्न प्रकार के पोषक-अनाज और मक्का की खरीद राज्य सरकारों द्वारा स्वयं एफसीआई के परामर्श से की जाती है ताकि वे लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस) के साथ-साथ अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत उन्हें वितरित कर सकें। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत मूल्य समर्थन योजना में पंजीकृत किसानों से उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के तिलहन, दाल और नारियल की खरीद की जाती है। भारतीय कपास निगम (सीसीआई) और जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जेसीआई) के माध्यम से सरकार द्वारा एमएसपी पर कपास और जूट की भी खरीद की जाती है। तोमर ने कहा कि एमएसपी पर सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रभावी खरीद करने और किसानों को एमएसपी का अधिकतम लाभ प्रदान करने के लिए, संबंधित राज्य सरकार की एजेंसियों और नेफेड और एफसीआई जैसी केंद्रीय नोडल एजेंसियों द्वारा उत्पादन, विपणन योग्य अधिशेष, किसानों की सुविधा तथा अन्य उपस्कर (लॉजिस्टिक्स) और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए ।

रक्षा राज्य मंत्री अजय भट बोले- भारत सहयोगी प्रणाली के माध्यम से समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध

विशाखापत्तनम । केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट ने यहां कहा कि भारत तटीय देशों में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक सहयोगी और विनियमन-आधारित प्रणाली के माध्यम से नौवहन चुनौतियों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्वी नौसेना कमान में बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास मिलन-2022 का उद्घाटन करने के बाद मित्र देशों के नौसेना अधिकारियों को संबोधित करते हुए भट ने कहा कि न केवल व्यापार को बढ़ावा देना बल्कि विकास और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना भी तटीय राष्ट्रों की विशिष्ट जिम्मेदारी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मुक्त व्यापार, नौवहन स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में उड़ान की स्वतंत्रता... भारत हमेशा एक सहयोगी और विनियमन-आधारित प्रणाली के माध्यम से अन्य देशों के साथ खड़ा है। महासागरों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत नींव का निर्माण समय की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि मिलन समुद्री देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगा। भट ने कहा कि भारत विभिन्न समुद्री चुनौतियों से निपटने और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

ममता बनर्जी ने यूक्रेन में फंसे पश्चिम बंगाल के 199 लोगों की सूची केंद्र को सौंपी

कोलकाता । यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुए संकट के कारण पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के उन 199 लोगों की सूची केंद्र सरकार को भेजी जो यहां फंसे हुए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुछ देर में कुछ छात्र मुंबई और नयी दिल्ली पहुंचेंगे तथा राज्य सरकार उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए उनके परिजनों के संपर्क में है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, यूक्रेन में फंसे, पश्चिम बंगाल के 199 लोगों के अनुरोध को विदेश मंत्रालय पहुंचा दिया गया है। भारत सरकार से उन्हें सुरक्षित वापस लाने का अनुरोध किया गया है। नई दिल्ली स्थित पश्चिम बंगाल के रेजिडेंट आयुक्त कार्यालय से समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से लौट रहे छात्रों की यात्रा का खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

उत्तर प्रदेश को माफियाओं और बाहुबलियों से मुक्त रखने के लिए भाजपा सरकार जरूरी : अमित शाह

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जारी है। अब तक 4 चरणों के चुनाव हो चुके हैं जबकि पांचवें चरण का चुनाव लगातार जारी है। इन सब के बीच आज अमित शाह ने एक बार फिर से समाजवादी पार्टी और बसपा पर निशाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को माफियाओं और बाहुबलियों से मुक्त रखने के लिए भाजपा सरकार जरूरी है। इसके साथ ही अमित शाह ने दावा किया कि अब तक के हुए चार चरण के चुनाव में सपा और बसपा का सूपड़ा साफ हो चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में चार चरण के चुनाव समाप्त हो चुके हैं, पांचवा चरण का चुनाव होने जा रहा है। चार चरण के चुनाव में सपा-बसपा सूपड़ा साफ हो गया है। 300 से ज्यादा सीटों के साथ भाजपा की सरकार बनने का रास्ता चार चरण ने प्रशस्त कर दिया है। गृह मंत्री ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश ने काफी सारी चीजों में यूपी को नंबर वन बनाया है- डकैती में उत्तर प्रदेश नंबर वन था। लूट में उत्तर प्रदेश नंबर वन था। हत्या में उत्तर प्रदेश नंबर वन था। बलात्कार के मामल में उत्तर प्रदेश नंबर वन था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, आजम खान, ये सब जेल में हैं। गलती से भी अगर आपने साइकिल की सवारी की, तो क्या ये जेल में रहेंगे? अगर उत्तर प्रदेश को माफियाओं-बाहुबलियों से मुक्त करना है, तो ये सिर्फ भाजपा की। शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 1.67 करोड़ गरीब माताओं को हमने गैस का कनेक्शन मुफ्त दिया है। 2.54 करोड़ किसानों को हर साल 6,000 रुपये उनके बैंक खातों में भेजा है। शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 1.67 करोड़ गरीब माताओं को हमने गैस का कनेक्शन मुफ्त दिया है। 2.54 करोड़ किसानों को हर साल 6,000 रुपये उनके बैंक खातों में भेजा है। अमित शाह ने कहा कि मैं जिस-जिस जनपद में जाता था तो वहां के लोग कहते थे कि हम मच्छर से परेशान हैं और माफिया से भी परेशान हैं। नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान चलाकर और शौचालय देकर मच्छरों से मुक्ति दिलाई और योगी आदित्यनाथ ने माफियाओं से पूर्वांचल को मुक्ति दिलाने का काम किया। शाह ने कहा कि भाजपा घोषणा पत्र में हमने कहा था कि हर जिले में जिन्होंने भी सरकार की और गरीबों की भूमि कब्जायी है, उसे वापस लाने का काम करेंगे। इस पर शिवपाल यादव हंसते थे और कहते थे कि कब्जायी भूमि वापस नहीं आती।

योगी जी ने 2,000 करोड़ की सरकारी भूमि पर से कब्जा हटाकर गरीबों के आवास बनाए हैं। अखिलेश के गुंडे यूपी में बुंदेलखंड में गोलियां, कट्टा बनाते थे। कट्टा और गोली बनाकर सपा सरकार ने युवाओं को अपराध की दिशा में ले जाने का काम किया है। नरेन्द्र मोदी जी ने इसी बुंदेलखंड में गोली की जगह गोला बनाकर पाकिस्तान को जवाब देने की व्यवस्था की है।

भारतीय किशोरी नेहा ने पेश की मानवीयता की मिसाल

नई दिल्ली ।

अपनी जान से ज्यादा मानवीय मूल्यों को महत्व देने की कहानियां अक्सर सुनने को मिलती है। रूसी हमले के बीच यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकालने का काम जारी है। इस बीच 17 साल की एक भारतीय लड़की ने मानवीय मूल्यों और भाईचारे की मिसाल पेश की। दरअसल, उसने यूक्रेन छोड़ने से इनकार कर दिया है। उसका कहना है कि वह जिस घर (पीजी) में रह रही है, उसके मालिक जंग में शामिल होने गए हैं। ऐसे में वह उनके बच्चों की देखभाल करने के लिए यूक्रेन में ही रुकेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रही हरियाणा की 17 वर्षीय नेहा सांगवान ने मौका मिलने पर भी युद्धग्रस्त देश छोड़ने से इनकार कर दिया। इसके पीछे की जो वजह बताई गई है, वो बेहद भावुक है। बताया जा रहा है कि जिस घर में नेहा पेइंग गेस्ट के रूप में रह रही हैं, उसका मालिक रूस के साथ चल रहे युद्ध में स्वेच्छा से अपने देश की सेवा के लिए यूक्रेनी सेना में शामिल हो गया है। वो अपने पीछे तीन छोटे बच्चों और पत्नी को छोड़ गया है। ऐसे में भारत की नेहा ने उसके बच्चों की देखभाल में उसकी पत्नी का साथ देने के लिए यूक्रेन में ही रहने का फैसला किया है। जबकि नेहा के पास देश छोड़ने का पूरा मौका था। नेहा सांगवान हरियाणा के चरखी दादरी जिले की रहने वाली हैं। उन्होंने अपनी मां से कहा- मैं रहूं या न रहूं, लेकिन मैं इन बच्चों और उनकी मां को ऐसी स्थिति में नहीं छोड़ूंगी। नेहा ने पिछले ही साल यूक्रेन के एक मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया था। रिपोर्ट के अनुसार, नेहा अपने पिता को खो चुकी हैं। उनके पिता भारतीय सेना में थे। फिलहाल, यूक्रेन में नेहा अपने मकान मालिक की पत्नी और तीन बच्चों के साथ बंकर में रह रही हैं। मेडिकल स्टूडेंट नेहा की आंटी सविता जाखर ने बीते दिन एक फेसबुक पोस्ट के जरिए हालातों को बयां किया है। उन्होंने लिखा कि मेडिकल की पढ़ाई करने गई बेहद करीबी दोस्त की बेटी यूक्रेन के कीव में फंसी है। हॉस्टल न मिल पाने के कारण तीन बच्चों वाले एक परिवार के घर में किराए पर रहने लगी। लेकिन अब जब युद्ध छिड़ गया, तो वो उन्हें मुश्किल में छोड़कर वापस आने को तैयार नहीं है। मकान मालिक ने यूक्रेन की आर्मी जॉइन कर ली और वो माकन मालिक की पत्नी और तीन बच्चों के साथ बंकर में रह रही है। सविता जाखर कहती हैं।

भौकाल और भय सिर्फ कानून का चलेगा-यूपी पुलिस पर चढ़ा बच्चन पांडे का फीवर, अक्षय कुमार ने की तारीफ

नई दिल्ली । एक्शन किंग से खूंखार गैंगस्टर बने अक्षय कुमार की बच्चन पांडे फिल्म का फीवर अब उत्तर प्रदेश की पुलिस पर भी चढ़ गया है। यूपी पुलिस ने अक्षय की फिल्म बच्चन पांडे के ट्रेलर के डायलॉग्स का इस्तेमाल करते हुए फिल्मी अंदाज में रियल लाइफ क्रिमिनल्स पर बेस्ड एक वीडियो शेयर किया है। रील लाइफ से इंस्पायर होकर यूपी पुलिस ने जिस शानदार और फिल्मी अंदाज में रियल लाइफ अपराधियों और घटनाओं को पेश किया है, अक्षय कुमार ने उसकी तारीफ की है। उत्तर प्रदेश की पुलिस ने अपने नए वीडियो में बच्चन पांडे स्टाइल में बड़े-बड़े केसेज की झलक देश की जनता संग शेयर की है। वीडियो की शुरुआत बच्चन पांडे फिल्म में अक्षय कुमार के एक दमदार डायलॉग के साथ होती है, जिसमें अक्षय कहते हैं- भौकाल बनाए रखने के लिए भय बनाए रखना बहुत जरूरी है । वीडियो में यूपी पुलिस ने फिल्मी अंदाज में बताया है कि उन्होंने 8 जनवरी 2022 से 22 जनवरी 2022 तक देश के अलग-अलग जिलों में किन-किन अपराधों का पर्दाफाश किया है। यूपी पुलिस ने अपने वीडियो में यह भी दिखाया है कि वह खूंखार गैंगस्टर और अपराधियों को किस तरह से अपने शिकंजे में लेती है। यूपी पुलिस ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा भाई हो या गॉडफादर, भौकाल और भय सिर्फ़ क़ानून का चलेगा! यूपी पुलिस की क्रिएटिविटी और शानदार आइडिया के खुद बॉलीवुड के खूंखार गैंगस्टर बने अक्षय खुमार भी फैन हो गए हैं। अक्षय ने यूपी पुलिस के उनकी फिल्म बच्चन पांडे से इंस्पायर ट्वीट को रीशेयर करते हुए उनकी उन्हीं के स्टाइल में तारीफ की है। अक्षय ने लिखा- क्या बात है। ये तो सच है कि क़ानून आगे, बाक़ी सब पीछे! आपकी क्रिएटिविटी को सलाम।

सुविचार

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे - अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

संपादकीय

त्रासदी का दायरा

आखिरकार अंतर्राष्ट्रीय जनमत को दरकिनार करके यूक्रेन पर युद्ध थोपने से रूस का साम्राज्यवादी चेहरा उजागर हो ही गया। युद्ध से उपजी त्रासदी की कितनी बड़ी कीमत मानवता को चुकानी पड़ती है, यूक्रेन के युद्धग्रस्त क्षेत्रों के हालात उसकी तस्वीर उकेर रहे हैं। इस त्रासदी का दायरा कितना व्यापक होगा; उसके आकलन में वक्त लगेगा, लेकिन दुनिया के शेयर बाजारों में गिरावट और कच्चे तेल के दामों का आसमान छूना इस युद्ध के तात्कालिक परिणाम हैं। अब इस त्रासदी का दंश भारत को भी झेलना पड़ रहा है। युद्ध के चलते हजारों छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं और उनके अभिभावक बेबस होकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। निस्संदेह, इस मामले में भारत सरकार की तरफ से लेटलतीफी हुई है। यूक्रेन में पंजीकृत भारतीयों की संख्या बीस हजार बतायी जाती है, जिसमें 18 हजार छात्र हैं। करीब चार हजार लोग समय रहते देश वापस आ पाये हैं। लेकिन जो छात्र वहां रह गये हैं, वे भगवान भरोसे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भारत सरकार ने समय रहते युद्ध स्तर पर भारतीयों को स्वदेश लाने के प्रयास क्यों नहीं किये जबकि लगातार ऐसे संकेत मिल रहे थे कि युद्ध कभी भी छिड़ सकता है। हालांकि, पुतिन के कई भ्रामक बयान भी आते रहे कि रूस हमला नहीं करेगा। फिर रूस ने यूक्रेन के दो प्रांतों को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की, तो भ्रम हुआ कि शायद रूस इतने से संतुष्ट हो जायेगा और युद्ध की स्थिति नहीं बनेगी। लेकिन पुतिन के मन में तो यूक्रेन को रूस में मिलाने का अंतिम खाका बन चुका था। निस्संदेह भारत सरकार स्थितियों का वास्तविक आकलन करने में चूकी है। कुछ लापरवाही छात्रों की तरफ से भी हुई। उनका कहना था कि वे देश लौटना चाहते थे, लेकिन विश्वविद्यालयों से ऑनलाइन पढ़ाई की अनुमति समय से नहीं मिल पायी, जिसके चलते वे समय रहते यूक्रेन नहीं छोड़ पाये। दरअसल, मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चे मां-बाप द्वारा कर्ज आदि लेकर भेजे जाने पर परिवार की आर्थिक चिंताओं के चलते भी यूक्रेन छोड़ने में संकोच करते रहे। बहरहाल, जब देश में यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों के अभिवावकों ने दबाव बनाया और मीडिया में फंसे छात्रों की खबरें आने लगीं तो सरकार ने दबाव महसूस किया। कुछ लोगों ने अदालत में भी याचिका दायर की। अब केंद्र सरकार ने फैसला लिया कि वह छात्रों को निकालने के लिये वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है क्योंकि यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बाधित है। अब सरकार कह रही है कि वह छात्रों को स्वदेश लाने का खर्च उठाएगी। यूक्रेन में जारी भीषण लड़ाई के बीच भारतीयों को निकालना निश्चित ही अब बड़ी चुनौती होगी। भारत सरकार की कोशिश है कि भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की सीमा से लगते पड़ोसी देशों के जरिये निकाला जायेगा। शुक्रवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीयों के लिये निकासी उड़ानों की व्यवस्था की जा रही है। भारत हंगरी, पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया की यूक्रेन से लगती सीमाओं के जरिये भारतीयों को निकालने की योजना को मूर्त रूप दे रहा है। भारतीय दूतावास द्वारा भी फंसे भारतीयों के मनोबल को बढ़ाने के लिये लगातार परामर्श जारी किये जा रहे हैं। यूक्रेन में स्थित भारतीय दूतावास लगातार फंसे लोगों से संपर्क बनाये हुए है। अब सरकार कह रही है कि भारतीयों की निकासी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल है।

यूक्रेन-रूस युद्ध और भारत की तटस्थ कूटनीति

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

समय का खेल देखिए, जो कल तक भारत को बुरी नजरों से देख रहा था, भारत के बुरा होने और उसके सर्वनाश की कामना करता था, जरूरत पर उन लोगों का साथ निभाने सदैव आगे रहा जोकि परम्परा से भारत विरोधी और भारत के दुश्मन हैं, आज वही देश यूक्रेन संकट काल में भारत की तरफ आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। वस्तुत- यूक्रेन के लिए ऐसे विकट समय में संत तुलसी सहज ही याद आ रहे हैं, उन्होंने इस संदर्भ को मध्यकाल में अपनी कविता के माध्यम से बहुत ही अच्छे ढंग से व्याख्यायित किया है और बताया है कि कर्म का फल क्या होता है? तुलसीदास की प्रसिद्ध चौपाई है, 'कर्म प्रधान विश्व रचि राखा। जो जस करहि सो तस फल चाखा॥ सकल पदारथ हैं जग मांही। कर्महीन नर पावत नाहीं॥' यहां संत तुलसी कहते हैं, यह विश्व कर्म प्रधान है। मनुष्य जैसा बोता है, वैसा ही काटता है। यानी जैसे वह कर्म करता है, उसे उनका वैसा ही फल मिल जाता है। यहां कोई भी हेराफेरी नहीं। अच्छे कर्म करने पर सुख-समृद्धि मिलती है। इसके विपरीत बुरे कर्म करने पर दुख और परेशानियां। संसार में अन्तहीन पदार्थ हैं, पर कर्महीन को कुछ भी नहीं मिल पाता। वैसे तुलसी के पहले द्वापर में यही बात लोकभाषा में न कहकर संस्कृत श्लोक में श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध के मैदान में अर्जुन को समझाई थी। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।2.47।। यदि इससे भी पहले के त्रेतायुग में जाएं तो भगवान श्रीराम के समय में 'वाल्मीकिरामायणम्' में आदिकवि महर्षि बाल्मीकि लिख गए और अपने तत्कालीन समाज को समझा गए, 'कर्मफल-यदाचरित कल्याणि शुभं वा यदि वाह्यशुभम्। तदेव लभते भद्रे! कर्ता कर्मजमात्मनः ।। ' अर्थात् मनुष्य जैसा भी अच्छा या बुरा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल मिलता है। हे सज्जन व्यक्ति! कर्त्ता को अपने कर्म का फल अवश्य भोगना पड़ता है। यहां फिर मनुष्य की इच्छा या अनिच्छा का कोई मूल्य नहीं होता और न ही उससे कुछ पूछा जाता है। अपने हिस्से के भोग चाहे वह हंसकर भोगे या रोते और कल्पते हुए भोगे। यह उस व्यक्ति, समाज या राष्ट्र अथवा राज्य के किए गए कर्मों पर ही निर्भर है। इन्हें भोगने के सिवाय उसके पास और कोई चारा नहीं। दूसरे शब्दों में कहें तो बबूल का पेड़ बोकर कोई मीठे आम के फल खाने की कामना नहीं कर सकता। एक राज्य के संदर्भ में इन दिनों देखा जाए तो यूक्रेन के साथ यही घट रहा है। आज भारत की ओर आशा भरी सहायता की दृष्टि से भरा हुआ यह देश इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ कि उसने अवसर पहचान कर, स्वेच्छा से या सहजता से कभी भी भारत का किसी मुद्दे पर साथ दिया हो। सदैव ही भारत विरोध के लिए अपनी शक्ति का प्रदर्शन करनेवाला यह देश जिस बुरे दौर से गुजर रहा है, कहना होगा कि यह उसके किए गए बुरे कर्मों का ही प्रतिफल है। ऐसे में भारत का उसे साथ नहीं मिलना वर्तमान में यह भी बता रहा है कि आज का भारत 1947 और 61 का भारत नहीं, जब एक तरफ चीनी-हिन्दी भाई-भाई के नारे लग रहे थे तो दूसरी ओर भारत के क्षेत्रों पर कब्जा करने, सीधे युद्ध करने की चीन तैयारी कर रहा था। कश्मीर में पाकिस्तानी सेना कबायलियों के वेश में घुसपैठ करने में कामयाब रही। वस्तुत- वर्तमान भारत की कूटनीति भी यही कहती है। जो दोस्त है, वह दोस्त है और जो इस रिश्ते पर अमल नहीं कर सकता, उसके लिए हमारा परिचय एक सीमा तक अंजान ही है। भारत ने सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य होने के बाद भी जिस तरह से रूस के खिलाफ हुई वोटिंग से दूरी बनाई है, उसने आज साफ बता दिया है कि वह अपने मित्र रूस के साथ खड़ा है। एक तरह से भारत ने यूएन में सभी देशों के सुरक्षा हितों का संदर्भ देकर नाटो को लेकर रूस की सुरक्षा गारंटियों की मांग को रजामंदी दे दी है। यूएन में भारत के रुख से रूस भी संतुष्ट है, उसने इसका स्वागत किया है। रूस कह रहा है कि 'हम यूएन सिक्युरिटी काउंसिल में भारत के स्वतंत्र रुख का स्वागत करते हैं। यूएन सिक्युरिटी काउंसिल में भारत की गतिविधियां हमारे खास और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के गुण जाहिर करती हैं।' वस्तुतः यह अच्छा ही है कि भारत इस बात को नहीं भूलता कि कैसे वह और रूस पुराने रणनीतिक सहयोगी हैं। भारत का आधे से अधिक रक्षा खरीद रूस के साथ है। वास्तव में रूस, भारत का इतना बड़ा विश्वसनीय सहयोगी है कि उसने भारत-चीन में सीमा विवाद या पाकिस्तान के साथ भारत के कश्मीर विवाद पर अब तक अपनी निष्पक्षता बरकरार रखी हुई है, लेकिन ऐसे में उनका क्या किया जाए जो भारत में यूक्रेन के समर्थन में खड़े होकर सड़कों पर आन्दोलन करते नजर आ रहे हैं? आज वो तमाम लोग, जो यूक्रेन के साथ सहानुभूति दिखा रहे हैं, समर्थन में सड़कों पर कूद पड़े हैं, मानवता की दुहाई देकर भारत सरकार पर रूस के विरोध में बयान देने और यूक्रेन को अपना समर्थन देने का सोशल मीडिया पर दबाव बनने का अभियान छेड़े हुए हैं, सच पूछिए तो उन्हें देखकर यही लग रहा है कि या तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय संबंधों की समझ नहीं है या फिर वे हर उस बात का विरोध करना चाहते हैं, जिसका समर्थन करती हुई मोदी सरकार नजर आती है। दरअसल, ऐसे सभी भारतीय जो यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं, उन्हें सदैव यह याद रखना चाहिए कि यूक्रेन हमेशा से ही भारत विरोधी रुख पर कायम रहता आया है। जब भी उसे अपनी बात रखने का जहां भी अवसर मिला, उसने भारत के विरोध में पाकिस्तान का साथ निभाया। यूक्रेन ने परमाणु परीक्षण के मुद्दे पर भारत का कभी साथ नहीं दिया और ना ही आतंकवाद के मुद्दे पर कभी भारत के साथ खड़ा हुआ। इन्हें नहीं भूलना चाहिए कि जब 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण किया गया तब संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भारत पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने के लिए आए एक प्रस्ताव के समर्थन में यूक्रेन ने यह मांग की थी कि कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाकर भारत के समस्त परमाणु कार्यक्रम बन्द करवा दिए जाएं। आतंकवाद का मुद्दा भी कुछ ऐसा ही है। यूक्रेन ने सदैव ही इस मामले में पाकिस्तान की दोस्ती निभाई, वह आतंकवाद को लेकर हमेशा ही पाकिस्तान की भाषा बोलते हुए भारत को ही दोषी करार देता आया है। भारत के संदर्भ में यूक्रेन का अपराध यह भी है कि उसने पाकिस्तान को टी-80डी टैंक उपलब्ध कराए हैं, जिसके जवाब में भारत को रूस से टी-90 टैंक हासिल करने के लिए तेजी दिखानी पड़ी थी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज पाकिस्तान के पास जो 400 टैंक हैं, वो यूक्रेन के द्वारा ही उसे बेचे गए हैं। 2020 में पाकिस्तान के II-78 एयर-टू-एयर रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट की रिपेयरिंग का ठेका भी यूक्रेन ने लिया और पिछले एक दशक से पाकिस्तान के राजदूत के रूप में सेना के किसी पूर्व अधिकारी को तैनात यदि किसी देश की ओर से किया गया है तो वह भी यूक्रेन है। कहना होगा कि यूक्रेन, पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान को हथियार बेचने वाला सबसे बड़ा देश है, वह पाकिस्तान को अब तक 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के हथियार बेच चुका है। इस वक्त तक भी वह फाइटर जेट टेक्नोलॉजी, स्पेस रिसर्च ट्रांसफर करने और उसमें नए अविष्कार करने की दिशा में वह पाकिस्तान की पूरी मदद कर रहा है। इसका अर्थ हुआ कि आनेवाले समय में पाकिस्तान स्पेस में जो भी विस्तार करेगा, उसके पीछे यूक्रेन मुख्य भूमिका में दिखाई देगा। इसलिए जब भारत में कोई व्यक्ति, संस्था, समूह, संगठन यूक्रेन के समर्थन में नजर आए तो उससे जरूर पूछिए कि जो देश, भारत विरोधी प्रस्ताव लाता है, आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का सबसे बड़ा हमदर्द बना बैठा है, क्या भारत के लोगों को यह सभी कुछ बातें भूलकर उसका समर्थन करना चाहिए? क्या पंडित नेहरू के भारत की तरह ही चीनी-हिन्दी भाई-भाई की गलती फिर से दोहराना चाहिए? या इतिहास से सबक लेकर ऐसे देश के विरोध में अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को देखते हुए यदि सीधे नहीं भी जाना हो तो तटस्थ रहकर अपना रुख स्पष्ट कर देना चाहिए?

(लेखक फिल्म सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

वह 'पागल' देश का गौरव बन गया

मोफिजुद्दीन, फुटबॉल कोच

नगीने की पहचान तो कोई जौहरी ही कर सकता है, न जाने कब से यह मुहावरा देश-दुनिया में इस्तेमाल होता आ रहा है, मगर इस पर हमारा यकीन पुख्ता होता है मोफिजुद्दीन जैसे लोगों से, जो गुदड़ी के लालों को न सिर्फ पहचानते हैं, बल्कि उन्हें तराशते हैं और रत्न बनाकर अपने कौम को सौंप देते हैं। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में गारो पहाड़ियों की गोद में एक गांव है- कलसिंदुर। यहीं के प्राथमिक स्कूल में सहायक शिक्षक रहे मोफिजुद्दीन (मोफिज) ने एक ऐसा काम किया, जिस पर उनका मुल्क झूम उठा। दरअसल, अपने वजूद में आने के इन 50 वर्षों में बांग्लादेश ने न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता की कसौटी पर, बल्कि आर्थिक तरक्की के मेयार पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है, मगर उसके सुदूरवर्ती गांव आज भी अपने हिस्से की खुशहाली से वंचित हैं। इन गांवों में बेटियों को स्कूल मयस्सर हो जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं। ऐसे में, अगर वे अपने मुल्क के लिए फुटबॉल का पहला अंतरराष्ट्रीय तमगा जीत लाएं, तो इस पर आसानी से यकीन नहीं होता। मगर आज से छह साल पहले ताजिकिस्तान की राजधानी में बांग्लादेश की बेटियों ने एएफसी अंडर-14 कप जीतकर यह कारनामा कर दिखाया। इसके शिल्पकार थे मोफिजुद्दीन। मोफिज एक बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। हालत यह थी कि बमुश्किल परिवार का गुजारा हो पाता था, मगर वह सब्र और परिश्रम का दामन थामे अपने कर्तव्य-पथ पर बढ़ते रहे। बचपन से ही मोफिज को खेलने-कूदने का बड़ा शौक था, लेकिन हालात ने इतनी मोहलत ही नहीं दी कि वह अपनी इच्छा के लिए कुछ कर पाते। ऐसे में, जब स्कूल की प्रिंसिपल मिनती रानी शीला ने कहा कि वह बच्चों में खेल-कूद की प्रतिभा निखारने की जिम्मेदारी संभालें, तो मोफिज को लगा, जैसे वर्षों पुरानी कोई मुराद पूरी हो गई। साल 2011 की बात है। प्रिंसिपल शीला ने मोफिज से कहा कि वह लड़कियों की एक फुटबॉल टीम तैयार करें, जो प्राथमिक शिक्षा बोर्ड की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में स्कूल की नुमाइंदगी कर सके। बहुत कठिन जिम्मेदारी थी। जहां लड़कियों को स्कूल भेजना ही मां-बाप को गवारा न हो, वहां उनसे बेटियों को फुटबॉल खेलने देने की अपेक्षा करना भी एक दुस्साहस ही था। फिर वह खुद कभी अच्छे फुटबॉलर नहीं रहे थे और न ही उन्होंने कभी कोई प्रशिक्षण लिया था। इसलिए चुनौती बड़ी थी। पर मोफिज को रुचि का काम मिला था और इसमें वह कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते थे। अभिभावकों को मनाने के लिए मोफिज और प्रिंसिपल साहिबा को काफी मशक्कत करनी पड़ी। यहां तक कि स्थानीय लोगों को भी यह पसंद नहीं था कि लड़कियां फुटबॉल खेलें। लोग मोफिज को 'पागल इंसान' कहने लगे थे। लेकिन लड़कियों में ललक थी। कुछ शायद सामाजिक दायरे को तोड़ने की दमित इच्छा थी और कुछ खुद को साबित करने की जिद, उन्होंने मोफिज को निराश नहीं किया। मोफिज उन्हें तराशने में जुट गए। यू-ट्यूब से वीडियो डाउनलोड कर वह उन्हें फुटबॉल की बारीकियां सिखाते रहे और ये किशोरियां मैदान में उन्हें साकार करके दिखाती गईं। नियमित रूप से, यहां तक कि ईद की छुट्टियों में भी मोफिज बिना नागा उनकी प्रैक्टिस कराते रहते। लड़कियों में प्रतिभा थी, जज्बा भी था, लेकिन उनके पास संसाधन नहीं थे। कई किशोरियों के माता-पिता के पास इतना भी नहीं था कि वे एक एथलीट की खुराक अपनी बच्ची को खिला सकें। मोफिज हमेशा इन किशोरियों का हौसला बढ़ाते रहे, उनकी छोटी-मोटी जरूरतें अपनी जेब से पूरी कर देते। जब जिला स्तर पर उनकी टीम क्वालिफाई कर गई, तो कई बच्चियों की जर्सी के लिए

मोफिज ने अपनी धान की फसल बेच दी। किशोरियों ने उस जर्सी को वर्दी बना डाला। वैसे तो, मोफिज ने लड़कों की भी फुटबॉल टीम बनाई थी, लेकिन उनमें खेल-अनुशासन की कमी को देखते हुए उन्होंने अपना सारा ध्यान 'गर्ल्स टीम' पर केंद्रित कर दिया। पांच साल बाद उनका अथक परिश्रम ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांदे में सुफल लेकर आया। बांग्लादेश की चैंपियन टीम की आठ लड़कियां मोफिज द्वारा प्रशिक्षित की गई थीं। ट्रॉफी उठाने के उन ऐतिहासिक पलों में मोफिज भले दुशांदे में मौजूद न थे, मगर उन फुटबॉलरों की काबिलियत उनकी उपस्थिति की गवाही दे रही थी। उनकी शिष्याओं ने देश-दुनिया में अपने 'गुरु' को रोशन कर दिया था। जाहिर है, ढाका जब झूमा, तो इन होनहारों के गांवों को भी उसने थिरकने का मौका दिया। इनके गांव में अब बिजली, सड़क और दूसरी तमाम सुविधाएं पहुंच गई हैं। मोफिजुद्दीन अब इलाके की मुअज्जिज हस्ती हैं। उनके प्रशिक्षण शिविर में 50 से अधिक बच्चियां रोजाना फुटबॉल के गुर सीखने आती हैं। कभी 'पागल इंसान' कहे जाने वाले मोफिजुद्दीन अब बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के 'मोफिज सर' हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज के कार्टून

मन का नियंत्रण

जग्गी वासुदेव

योग की सारी प्रक्रिया मन की सीमाओं से परे जाने के लिए हैं। जब तक आप मन के नियंत्रण में हैं, तब तक आप पुराने प्रभावों से चलते हैं क्योंकि मन बीते हुए समय की यादों का ढेर है। अगर आप जीवन को सिर्फ मन के माध्यम से देखते हैं तो आप अपने भविष्य को भी भूतकाल की तरह बना लेंगे, न ज्यादा-न कम। क्या यह दुनिया इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास विज्ञान, तकनीक और दूसरे कई तरह के कितने अवसर आते हैं, पर क्या हम बार-बार उन्हीं ऐतिहासिक भूलों को नहीं दोहराते? अगर आप अपने जीवन को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि वही चीजें बार-बार हो रही हैं क्योंकि जब तक आप मन के प्रिज्म के माध्यम से काम कर रहे हैं, तब तक आप उसी पुरानी जानकारी के साथ काम करते रहेंगे। बीता हुआ समय आप के मन में ही रहता है। सिर्फ इसलिए कि आप का मन सक्रिय है, बीता हुआ कल बना रहता है। मान लीजिए, आप का मन इसी पल काम करना बंद कर दे तो क्या बीता हुआ समय यहां रहेगा? वास्तव में यहां कोई भूतकाल नहीं है, सिर्फ वर्तमान ही है। असलियत सिर्फ वर्तमान ही है, मगर हमारे मन के माध्यम से भूतकाल बना रहता है, दूसरे शब्दों में, मन ही कर्म है। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप सारे कार्मिक बंधनों के पार चले जाएंगे। अगर आप कार्मिक बंधनों को एक-एक कर के तोड़ना चाहें तो इसमें शायद लाखों साल लग जाएं और इसे तोड़ने की प्रक्रिया में आप कर्मों का नया भंडार भी बनाते जा रहे हैं। आप के पुराने कार्मिक बंधनों का जत्था कोई समस्या नहीं है। आप को यह सीखना चाहिए कि नया भंडार कैसे तैयार न हो! यही मुख्य बात है। पुराना भंडार अपने आप समाप्त हो जाएगा। पर बुनियादी बात यह है कि आप नये भंडार बनाना बंद करना सीख लें। फिर पुराने भंडार को छोड़ देना बहुत सरल होगा। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जाएंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं, तो आप ऐसी चीज के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो।

सू-दोकू नवताल - 2055

8				9			3	
	1	4	5					6
2		5		1		9		
	8				7			
5	6			3			9	8
			9				2	
		7		6		3		2
3					5	8	6	
	9			2				7

सू-दोकू -2054 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2055

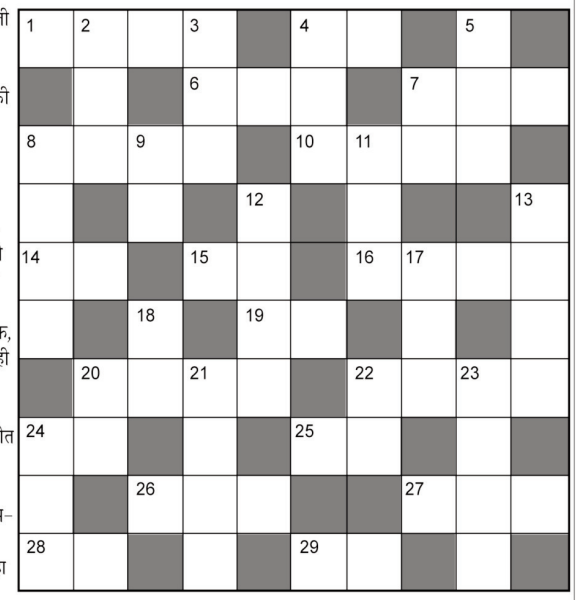

बायें से दायें:-

1. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-1,3
4. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-2
6. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-3
8. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-4
10. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-4
14. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-2
15. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-2
16. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-4
19. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
20. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-4
22. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-4
24. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-2
25. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-2
26. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-3
27. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-3
28. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
4. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
7. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-2
8. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-4
9. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
11. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-3
12. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-4
13. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
17. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-3
18. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
20. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
21. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-4
22. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-2
23. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-4
24. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2054

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		ओ	
क		ग	व	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशी बाजारों में कमजोरी से तेल-तिलहन की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

वै श्विक बाजारों में कमजोर रुख की वजह से दिल्ली बाजार में शनिवार को लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव में नरमी रही। दूसरी ओर किसानों द्वारा नीचे भाव में बिक्री नहीं करने से सोयाबीन दाना और लूज के भाव में मजबूती रही जबकि विदेशों में मंदी के कारण सोयाबीन तेल के भाव में गिरावट आई। बाजार सूत्रों ने बताया कि मंडियों में सोयाबीन और मूंगफली की उपलब्धता कम है। किसान नीचे भाव में सोयाबीन दाना की बिक्री करने से कतरा रहे हैं जबकि मूंगफली किसान भी मंडियों में कम बिक्री कर रहे हैं जिस वजह से बाजार में गिरावट के रुख के बावजूद मूंगफली तेल तिलहन के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। यूक्रेन में रूस के हमले के बाद बाजार में काफी अस्थिरता है। यूक्रेन हमले की वजह से गुरुवार को मलेशिया एक्सचेंज में लगभग सात प्रतिशत की तेजी थी लेकिन शुक्रवार को वहां सात प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। विदेशी बाजारों में मंदी के रुख और लिवाल न होने के बीच कच्चा पाम तेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल की कीमतों में गिरावट आई। उन्होंने कहा कि मंडियों में नये सरसों की आवक बढ़ रही है जिससे सरसों तेल तिलहन के भाव में भी गिरावट देखने को मिली। सरकार को आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए तेल तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने की ओर ध्यान देना होगा। विदेशी कंपनियों की मनमानी से बचने और संकट की स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से सहकारी संस्था हाफेड और नेफेड को बाजार भाव पर सरसों की खरीद कर पर्याप्त मात्रा में इसका स्टॉक बना लेना चाहिए क्योंकि आयातित तेलों की महंगी कीमतों को देखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों का मिलना मुश्किल ही है।

बाजार में थोक भाव इस प्रकार रहे- (रुपए प्रे ति`` क्विंटल) सरसों तिलहन 7,650-7,675 डिलिवरी (गुजरात)14,250, मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,355-2,540 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 15,400, सरसों पक्की घानी 2,275-2,330 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,475-2,580 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 16,900-18,400, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 15,600, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 15,500, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 14,350।,

रिलायंस रिटेल के नेटवर्क में और तेजी से हो सकता है विस्तारः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी के बाद से लगातार आगे बढ़ रही रिलायंस रिटेल के नेटवर्क में और तेजी से विस्तार हो सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मालिकों द्वारा पट्टे (लीज) के किराये का भुगतान नहीं किए जाने की वजह से जल्द फ्यूचर रिटेल स्टोर भी रिलायंस रिटेल के पास आ सकते हैं, जिससे उसका नेटवर्क और बड़ा हो जाएगा। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि महामारी के बाद से रिलायंस रिटेल ने अपनी खुदरा पहुंच 39 प्रतिशत बढ़ाई है। इस दौरान उसके कई ब्रांड जोड़े हैं और साथ ही डिजिटल कॉमर्स का भी विस्तार किया है। रिपोर्ट कहती है कि इस समय रिलायंस रिटेल संगठित क्षेत्र की सबसे बड़ी खिलाड़ी है। देशभर में इसके 14,412 स्टोर हैं, जो चार करोड़ वर्ग फुट में फैले हैं। पिछले पांच वर्षों में कंपनी का राजस्व राजस्व पांच गुना बढ़ा है। रिलायंस रिटेल का मुख्य खुदरा राजस्व 18 अरब डॉलर है, जो सभी प्रतिद्वंद्वियों के सामूहिक राजस्व से भी अधिक है। कंपनी ने इस दौरान 40 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि की है। रिलायंस रिटेल इस समय अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से तीन गुना हो चुकी है और इसने सभी श्रेणियों में लगातार वृद्धि की है। कंपनी के किराना सामान की बिक्री 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की बिक्री सालाना आधार पर दोगुना हो गई बिक्री सालाना आधार पर दोगुना हो गई है।

मुख्य खुदरा कारोबार में डिजिटल, न्यू कॉमर्स का हिस्सा करीब 20 प्रतिशत है। किराना, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और परिधान सहित प्रमुख खुदरा श्रेणियों में कंपनी मजबूती से आगे बढ़ रही है।` रिपोर्ट के मुतो बिक रिलायंस रिटेल वित्त वर्ष 2022-25 के दौरान सालाना 30 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और उसके मार्जिन में भी बढ़ोतरी होगी।

नीति आयोग का अधिक चीनी, नमक वसा वाले उत्पादों पर कर प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

देश की आबादी के बीच मोटापे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए नीति आयोग अधिक चीनी, वसा और नमक वाले खाद्य पदार्थों पर कराधान और फ्रंट-ऑफ-द-पैक लेबलिंग जैसी कदम उठाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। फ्रैंट-ऑफ-द-पैक लेबलिंग से उपभोक्ताओं को अधिक चीनी, नमक और वसा वाले उत्पादों को पहचानने में मदद मिलती है। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में बच्चों, किशोरों और महिलाओं में अधिक वजन और मोटापे की समस्या लगातार बढ़ रही है। 24 जून, 2021 को नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) की अध्यक्षता में माताओं, किशोरों और बच्चों को मोटापे से बचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक विचार-विमर्श का आयोजन किया गया था। इसमें कहा गया है कि नीति आयोग आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी) और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन (पीएचएफआई) के सहयोग से इस दिशा में काम कर रहा है। इसके जरिये उपलब्ध साक्ष्यों के आधार उठाए जाने वाले कदमों की पहचान की जा रही है। इन उपायों के तहत फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग, एचएफएसएस (चीनी, नमक और वसा की ऊंची मात्रा वाले उत्पाद) उत्पादों का विपणन और विज्ञापन तथा अधिक चीनी, वसा और नमक वाले उत्पादों पर कर लगाना शामिल है। गैर-ब्रांडेड नमकीन, भुजिया, गैर-ब्रांडेड नमकीन, भुजिया, वेजिटेबल्स चिप्स और स्नैक्स पर पांच प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता है जबकि ब्रांडेड और पैकेटबंद उत्पादों के लिए जीएसटी दर 12 प्रतिशत है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस-5) 2019-20 के अनुसार, मोटापे से ग्रस्त महिलाओं की संख्या बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है, जो 2015-16 में 20.6 प्रतिशत थी। जबकि पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 18.4 प्रतिशत बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गया है।

एचएलएल लाइफकेयर के लिए बोली लगाने की तारीख 14 मार्च तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

सरकार ने एचएलएल लाइफकेयर की रणनीतिक बिक्री को संभावित खरीदारों के लिए रुचि पत्र (ईओआई) जमा करने की तारीख बढ़ाकर 14 मार्च कर दी है। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने स्वास्थ्य क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए पहले 14 दिसंबर, 2021 को शुरु आती बोलियां आमंत्रित की थीं। ईओआई जमा करने की ओ खिरी तारीख 31 जनवरी, 2022 थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 28 फरवरी किया गया था। विभाग का कहना है कि इच्छुक बोलीदाताओं ने समयसीमा बढ़ाने का आग्रह किया था, जिसके बाद तारीख बढ़ाई गई। अब ईओआई जमा करने की ओ खिरी तारीख 14 मार्च होगी। दीपम द्वारा पात्र इच्छुक बोलीदाताओं (क्यूआईबी) को सूचित करने की तारीख भी एक पखवाड़ा बढ़ाकर 28 मार्च कर दी गई है। एचएलएल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आने वाला सार्वजनिक उपक्रम है। यह कंपनी कई प्रकार के गर्भ निरोधक उत्पाद, महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी उत्पाद, अस्पतालों के लिए आपूर्ति तथा अन्य फार्मा उत्पादों का विनिर्माण और विपणन करती है। एचएलएल स्वास्थ्य सेवा और नैदानिक सेवाएं भी प्रदान करती है। साथ ही यह स्वास्थ्य क्षेत्र में चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए सलाहकार सेवाएं भी देती है। इसके साथ ही कंपनी स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी ढांचागत परियोजनाओं के लिए अनुबंध पर सेवाएं भी प्रदान करती है।

संक्षिप्त समाचार

एलआईसी में 20 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति

मुंबई । सरकार ने आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी एलआईसी में स्वचालित मार्ग से 20 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी है।` जिससे से देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के विनिवेश में आसानी होगी। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला किया गया। सरकार ने एलआईसी के शेयरों को आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की मंजूरी दे दी है। विदेशी निवेशक इस मेगा आईपीओ में भाग लेने के इच्छुक हो सकते हैं, हालांकि मौजूदा एफडीआई नीति के तहत एलआईसी में विदेशी निवेश का कोई विशेष प्रावधान नहीं है, जो एलआईसी अधिनियम, 1956 के तहत गठित एक सांविधिक निगम है। चूंकि, इस समय एफडीआई नीति के अनुसार सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विदेशी निवेश की सीमा 20 प्रतिशत है, इसलिए एलआईसी और ऐसे अन्य कॉरपोरेट निकायों में 20 प्रतिशत तक विदेशी निवेश को मंजूरी देने का फैसला किया गया।पूंजी जुटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इस तरह के एफडीआई को स्वचालित मार्ग के तहत रखा गया है।

अरविंदो और सन फार्मा ने अमे रिका से अपने उत्पाद वापस मंगाए

नई दिल्ली । विनिर्माण के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहने की वजह से देश की प्रमुख दवा कंपनियों अरविंदो फार्मा तथा सन फार्मास्युटिकल्स ने अमेरिकी बाजार से अपने विभिन्न उत्पाद वापस लेने की घोषणा की है। अमेरिका के खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की ताजा प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार अरविंदो फार्मा की अमेरिकी इकाई मॉक्सिफ्लोक्सासिन ऑथ्थैलमिक सॉल्यूशन की 1,15,776 बोतलों को बाजार से वापस ले रही है। इसका इस्तेमाल जीवाणु संक्रमण के उपचार में एंटीबायोटिक के रूप में होता है। सन फार्मा की अमेरिकी इकाई क्लोरथैलिडन टैबलेट की 59,232 बोतलें बाजार से वापस ले रही है। इस दवा का इस्तेमाल शरीर में अतिरिक्त तरलता स्तर को कम करने के लिए किया जाता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार 2019 में अमेरिका में जेनेरिक दवा का बाजार 115.2 अरब डॉलर था।

वनप्लस 10 प्रो के तीन कलर वरिएंट का खुलासा

नई दिल्ली । चीन में वनप्लस 10 प्रो के तीन कलर वरिएंट का खुलासा कर दिया हैं। वनप्लस 10 प्रो स्मार्टफोन के बिल्कुल न्यू पांडा व्हाइट कलर वेरिएंट का ऐलान कर दिया है, जिसकी पहली बिक्री 1 मार्च, 2022 को चीन में शुरू हो जाएगी। ये नया वेरिएंट 512जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ आ रहा है, जो कि 128जीबी और 256जीबी स्टोरेज ऑप्शन के साथ लॉन्च किए गए फोन से नया होगा। वनप्लस 10 प्रो के इस वेरिएंट की जो फोटो सामने आई है, उसके अनुसार, कहा जाता है कि वनप्लस 10 प्रो का व्हाइट कलर वेरिएंट जैसा दिखता है। डिवाइस का कैमरा मॉड्यूल अभी भी ब्लैक है, जिससे डिवाइस का ये नया लुक पांडा से इंस्पायर दिखाई पड़ता है। अभी के लिए, ब्रांड ने वनप्लस 10 प्रो के व्हाइट कलर वेरिएंट को केवल 512जीबी मेमोरी वेरिएंट में लॉन्च किया है, जिसकी कीमत चीन में सीएनवाय 5,799 (लगभग 68,419 रुपये) है, और इसकी 1 मार्च 2022 से चीन के समय अनुसार, सुबह 10 बजे से बिक्री भी शुरू हो जाएगी। ये डिवाइस अब तक केवल 128जीबी और 256जीबी स्टोरेज ऑप्शन में उपलब्ध था। फोन की स्पेसिफिकेशन की बात करें, तो वनप्लस 10 प्रो 6.7-इंच क्यूएचडी अमोलेड पैनल को 3,216 म 1,440 पिक्सेल रेजोल्यूशन, 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 1,300 नीटस तक ब्राइटनेस को स्पोर्ट करता है। वनप्लस 10 प्रो एक ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 प्रोसेसर से लैस होगा, जिसे 12जीबी तक रैम और 512जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज के साथ ऐड किया गया है। बैटरी लाइफ के मामले में, डिवाइस में 80 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग और 50 डब्ल्यू वायरलेस फास्ट चार्जिंग के साथ 5,000एमएएच की दमदार बैटरी मिलेगी। डिवाइस में इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट स्कैनर, एनएफसी सपोर्ट, ब्लूटूथ 5.2 सपोर्ट और रिवर्स वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है।

अगले पांच साल में मसाला निर्यात दोगुना करने का लक्ष्य रखें: गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मसाला उद्योग से उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने और अगले पांच साल में निर्यात दोगुना करने का लक्ष्य रखने की अपील की। बीते वित्त वर्ष में देश से मसालों और मसाला उत्पादों का निर्यात करीब पांच अरब डॉलर का था। गोयल ने भारतीय मसालों की पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने को कहा जिससे निर्यात को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा` कि 2030 तक निर्यात 10 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखने के बजाए इसे अगले पांच वर्ष में 2027 तक दोगुना यानी 10 अरब डॉलर करने का और फिर 2032 तक निर्यात फिर से दोगुना करने का रखा जाए। स्पाइसेस बोर्ड के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों और निर्यातकों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मसालों के मामले में भारत यूं तो वैश्विक अगुआ है लेकिन पूर्ण एवं कच्चे रूप में इनके निर्यात के मामले में उसे कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

भारत में टाटा 8 नई इलेक्ट्रिक कारें करेगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारत में स्वदेशी कंपनी टाटा 8 नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी। हालांकि ये सभी मॉडल्स लॉन्च होने में काफी वक्त लग सकता है। यह होमग्रोन यूवी मेकर कंपनी अपने ईएक्सयूवी 300 कॉन्सेप्ट का प्रॉडक्शन वर्जन ला रही है। इस कॉन्सेप्ट को महिंद्रा ने 2020 ऑटो एक्सपो में पेश किया था। कंपनी इस कार को साल 2023 में लॉन्च कर सकती है। इसे एक्सयूवी 300 और एक्सयूवी 700 के बीच प्लेस किया जाएगा। कंपनी इसे एक नए नाम से लॉन्च कर सकती है। माना जा रहा है कि इसे महिंद्रा एक्सयूवी 400 नाम से भारत में लॉन्च किया जाएगा। एक्सयूवी 400 या ईकेयूवी 300 को टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। प्राइवेट वीकल सेगमेंट में कंपनी के पास अभी कोई इलेक्ट्रिक वीकल नहीं है। एक्सयूवी 300 ईवी और ईकेयूवी100 के लॉन्च से यह सूरत बदल जाएगी। महिंद्रा ईकेयूवी 300 को पहली बार ऑटो एक्सपो 2020 में देखा गया था, जिसके बाद से ही कयास लगने लगे थे कि इसे जल्द भारतीय बाजार में पेश कर दिया जाएगा। हालांकि, डेढ़ साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी इसके सटीक लॉन्च डेट के बारे में पता नहीं चल पाया है। बता दें कि महिंद्रा आने वाले समय में एक के बाद एक कई इलेक्ट्रिक वीइकल पेश कर सकती है। एक के बाद एक कई इलेक्ट्रिक वीइकल पेश कर सकती है।

इससे पहले महिंद्रा की कई कारें भारत में लॉन्च होने वाली हैं, जो कि एसयूवी और एमपीवी सेगमेंट की हैं और इनमें न्यू जनरेशन स्कारपियो, बलेनो नियो प्लस और माराजो एएमटी प्रमुख हैं। मालूम हो कि भारत जैसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार में इलेक्ट्रिक वीकल सेगमेंट में बड़ी संभावनाएं देखते हुए स्वदेशी कंपनी टाटा काफी निवेश करने वाली है।

वर्ष 2021-22 में 100 अरब डॉलर पार कर सकता कच्चे तेल का आयात बिल

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2021-22 में देश के कच्चे तेल का आयात बिल 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने की आशंका जताई गई है। यह पिछले वित्त वर्ष में कच्चे तेल के आयात पर हुए खर्च का लगभग दोगुना होगा।` जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें सात साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 94.3 अरब डॉलर खर्च किए हैं। जनवरी में कच्चे तेल के आयात पर 11.6 अरब डॉलर खर्च हुए हैं। पिछले साल जनवरी में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 7.7 अरब डॉलर खर्च किए थे।फरवरी में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गईं। ऐसे में अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक भारत का तेल आयात बिल दोगुना होकर 110 से 115 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। भारत अपने कच्चे तेल की 85 प्रतिशत जरूरत को आयात से पूरा करता हूं। आयातित कच्चे तेल को तेल रिफाइनरियों में वाहनों और अन्य प्रयोगकर्ताओं के लिए पेट्रोल और डीजल जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों में बदला जाता है। भारत के पास अतिरिक्त शोधन क्षमता है और यह कुछ पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है लेकिन रसोई गैस यानी एलपीजी का उत्पादन यहां कम है, जिसे सऊदी अरब जैसे देशों से आयात किया जाता है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी में पेट्रोलियम उत्पादों का आयात 3.36 करोड़ टन या 19.9 अरब डॉलर रहा है। दूसरी ओर 33.4 अरब डॉलर के 5.11 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया गया। भारत ने पिछले 2020-21 के वित्त वर्ष में 19.65 करोड़ टन कच्चे तेल के आयात पर 62.2 अरब डॉलर खर्च किए थे। उस समय कोविड-19 महामारी की वजह से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें नीचे आई थीं।

हीरो मोटोकॉर्प देश में लगाएगी चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प कंपनी पूरे देश में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क लगाने वाली है। कंपनी ने सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। ये चार्जिंग स्टेशन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के लिए होंगे। हीरो मोटोकॉर्प ने एक बयान में कहा कि इस गठजोड़ के बाद वह भारत में बड़े पैमाने पर ईवी चार्जिंग नेटवर्क लगाने के लिए किसी सरकारी उपक्रम से हाथ मिलाने वाली पहली कंपनी बन गई है। इस गठजोड़ के तहत दोनों कंपनियां सबसे पहले बीपीसीएल के मौजूदा पेट्रोल पंपों पर चार्जिंग इंफ्रा लगाएंगी। इसके बाद नेटवर्क का और विस्तार किया जाएगा।बीपीसीएल ने पिछले साल सितंबर में कहा था कि वह अपने करीब 7 हजार पेट्रोल पंपों को एनर्जी स्टेशंस का रूप देगी। इन स्टेशनों पर सिर्फ डीजल या पेट्रोल के बजाय ईंधन के कई विकल्प मिलेंगे। इन विकल्पों में ईवी चार्जिंग की सुविधा भी शामिल होगी। हीरो मोटोकॉर्प के साथ इस साझेदारी से कंपनी को यह टारगेट अचीव करने में मदद मिलने वाली है। दोनों कंपनियों ने बताया कि पेट्रोल पंपों पर ईवी चार्जिंग फैसिलिटी लगाने की शुरुआत दिल्ली और बेंगलुरू से की जाएगी। इसके बाद अन्य शहरों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। पहले चरण में दोनों कंपनियां देश के 9 शहरों में ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने जा रही हैं। चार्जिंग को हीरो मोटोकॉर्प के मोबाइल ऐप से कंट्रोल किया जा सकेगा। इसके लिए पेमेंट का मॉडल भी कैशलैस होगा। पहला चरण पूरा करने के बाद दोनों कंपनियां पूरे देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रा का घना नेटवर्क तैयार करने पर ध्यान देगी। इन चार्जिंग स्टेशनों पर मल्टीपल चार्जिंग प्वाइंट अवेलेबल होंगे।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 443 परियोजनाओं की लागत में 4.45 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 443 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जनवरी 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,671 परियोजनाओं में से 443 की लागत बढ़ी है, जबकि 514 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,671 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 22,54,175.77 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,99,651.62 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,45,475.85 करोड़ रुपये बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,16,293.63 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 48.76 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 381 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 881 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। देरी से चल रही 514 परियोजनाओं में 89 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 113 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 204 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 108 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 514 परियोजनाओं की देरी का औसत 46.23 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजनाओं , निविदा प्रक्रिया में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि ।

सैमसंग गैलेक्सी ए 03 स्मार्टफोन होगा जल्द लॉन्च

नई दिल्ली । भारत में सैमसंग गैलेक्सी ए 03 जल्द ही लॉन्च किया जा सकता है। यह स्मार्टफोन वियतनाम में पहले से ही उपलब्ध है। भारत में लॉन्च से पहले, सैमसंग गैलेक्सी ए03 की कीमत ऑनलाइन लीक हो गई है।सैमसंग गैलेक्सी ए03 बेस 3जीबी रैम + 32जीबी स्टोरेज मॉडल के लिए कीमत 10,499 रुपये से शुरू होगी। टॉप-एंड मॉडल के 11,999 रुपये की कीमत 4जीबी रैम + 64जीबी स्टोरेज के तय की जा सकती है। चूंकि ये लीक हुई कीमतें हैं, इसलिए लॉन्च से पहले इनमें बदलाव हो सकता है। दक्षिण कोरियाई स्मार्टफोन निर्माता ने अभी तक सैमसंग गैलेक्सी ए03 के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी है। इंटरनेट पर चल रही कुछ अफवाहों और लीक से पता चलता है कि फोन फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में लॉन्च होगा। उम्मीद की जा रही है कि दक्षिण कोरियाई स्मार्टफोन निर्माता सैमसंग गैलेक्सी ए03 के ग्लोबल मॉडल जैसे फीचर्स के साथ भारत में लाएंगे। कैमरे की बात करें तो, आगामी सैमसंग ए सीरीज स्मार्टफोन में एक डुअल रियर कैमरा सिस्टम शामिल है जिसमें 48-मेगापिक्सल का प्राइमरी लेंस और 2-मेगापिक्सल का सहायक सेंसर शामिल है। आगे की तरफ, फोन में सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए 5 मेगापिक्सल का कैमरा है। अंडर-द-हुड, सैमसंग गैलेक्सी ए03 में 5000एमएएच की बैटरी है। सॉफ्टवेयर की बात की जाए तो यह कस्टम वनयूआई के साथ एंड्रॉइड 11 ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है।खासियतों की बात करें तो सैमसंग गैलेक्सी ए03 में एचडी + रिज़ॉल्यूशन वाला 6।5 इंच का डिस्प्ले शामिल है। यह यूनीसोक टी606 एसओसी द्वारा संचालित है जो 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज के साथ है।

अय्यर और जडेजा का कमल, भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

धर्मशाला । श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में 17 गेंद शेष रहते भारत ने सात विकेट से शानदार जीत हांसिल की। टीम इंडिया की यह लगातार 11वीं जीत है। टॉस हारकर पहले खेलते हुए श्रीलंका ने पांच विकेट पर 183 का स्कोर बनाया। जीत के लिए 184 रन के टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 186 रन बना लिए। श्रेयस अय्यर ने नाबाद 74 (44 गेंद) और रवींद्र जडेजा ने नाबाद 45 (18 गेंद) रन बनाए। संजू सैमसन ने 39 रन की पारी खेली। टी-20 इंटरनेशनल में यह भारत की लगातार 11वीं जीत है। अब भारत वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी से सिर्फ 1 जीत दूर है। अफगानिस्तान ने लगातार 12 टी-20 मैच जीते हैं। भारत ने घरेलू जमीन पर इस फॉर्मेट में लगातार सातवीं सीरीज अपने नाम की है। टारगेट का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और पहले ही ओवर में दुष्मंता चमीरा ने कप्तान रोहित शर्मा (1) को बोल्ड कर दिया। पिछले मैच के हीरो ईशान किशन 16 रन बनाकर लाहिरु कुमारा की गेंद पर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन ने 47 गेंदों पर 84 रन जोड़कर पारी को संभाल लिया। सैमसन 25 गेंदों पर 39 रन बनाकर बिनुरा फर्नांडो की गेंद पर आउट हुए।

भारतीय महिला क्रिकेट

विश्व कप अभ्यास मैच में हरमनप्रीत के शतक से भारतीय टीम जीती

रंगियोरा ।

हरमनप्रीत कौर के शानदार शतक 114 रनों से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप के पहले हुए एक अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की है। इस मैच में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को दो रनों से हरा दिया। हरमनप्रीत के विश्व कप से पहले लय हासिल करने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। इस मैच में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को दो रनों से हरा दिया। हरमनप्रीत के विश्व कप से पहले लय हासिल पिछले कुछ समय से फार्म से बाहर चल रहीं हरमनप्रीत ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भी 63 रन बनाये थे। हरमनप्रीत ने अपनी शतकीय पारी में 11 चौके लगाए। उनके अलावा यास्तिका भाटिया ने 58 रन की पारी खेली थी। इस मैचों में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना सिर में गेंद लगने के कारण मैदान से बाहर हो गयीं। मंधाना ने मैदान से बाहर जाने से पहले 12 रन बनाये थे। इसके बाद भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 244 रन बनाए। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका की टीम को जीत के लिए 50 ओवरों में 245 रनों को लक्ष्य मिला पर टीम इसका पीछा करते हुए सात विकेट पर 242 रन ही बना पायी। इसके बाद भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 244 रन बनाए। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका की टीम को जीत के लिए 50 ओवरों में 245 रनों को लक्ष्य मिला पर टीम इसका पीछा करते हुए सात विकेट पर 242 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लॉरा वालवार्ट ने 75 और कप्तान सुन लुस ने 94 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने 46 रन देकर चार विकेट लिए।

ईपीएल मैच में खिलाड़ियों ने यूक्रेन के प्रति एकजुटता दिखाई

लंदन ।

यहां जारी इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में ब्रेंटफोर्ड और न्यूकास्टल टीमों ने मैच से पहले रुसी हमले का विरोध करते हुए यूक्रेन का समर्थन किया। मैच खेल रही दोनो टीमों ने यूकेन के ध्वज को प्रदर्शित करके 'युद्ध नहीं का संदेश दिया। वहीं इस दौरान स्टेडियम में विरोधी टीम में शामिल यूक्रेन के दो खिलाड़ी मैच से पहले ही एक दूसरे के गले लगकर रो पड़े। इस टूर्नामेंट में दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों ने यूक्रेन के प्रति एकजुटता दिखाई। वहीं इसके बाद दोनों टीमों के दर्शकों ने क्रिस्टियन एरिक्सन की आठ महीने बाद मैदान पर वापसी का भी स्वागत किया। एरिक्सन को यूरोपीय चैंपियनशिप के दौरान दिल का दौरा पड़ा था और उसके बाद से ही वह खेल से दूर थे। मैच में मैनचेस्टर सिटी ने एवर्टन को 1-0 से हराकर शीर्ष पर अपनी स्थिति और बेहतर की हालांकि यह मैच यूक्रेन के दो खिलाड़ियों के भावुक मिलन के कारण अधिक चर्चा में रहा।

सिटी की तरफ से खेलने वाले अलेक्सांद्रो जिनचेंको और एवर्टन के विताली मायकोलेंको मैच से पहले ही एक दूसरे के पास गए और गले लगकर रोने लगेए। इसके बाद जब वे स्थानापन्न खिलाड़ियों की अपनी बेंच पर पहुंचे तो उनकी आंखों में आंसू थे। वहीं मैनचेस्टर यूनाईटेड और वाटफोर्ड के बीच गोलरहित ड्रा रहे मैच के शुरू होने से पहले ही दोनों टीम के खिलाड़ी एक साथ मैदान पर आये हैं और उन्होंने कई भाषाओं में 'शांति शब्द को प्रदर्शित किया।

मैटी कैश के गोल की मदद से एस्टन विला ने मेजबान टीम के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। कैश ने गोल करने के बाद अपनी जर्सी उतारी और यूक्रेन में क्लब फुटबॉल खेलने वाले पोलैंड के अपने साथी के लिये संदेश को जगजाहिर किया। उन्होंने अपने संदेश में लिखा था, 'मजबूत बने रहो मेरे भाई।

24 साल के बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलिया

इस्लामाबाद ।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 24 साल के बाद रविवार को पाकिस्तान दौरे पर पहुंची है। ऑस्ट्रेलियाई टीम छह सप्ताह के अपने इस पाक दौरे में तीन टेस्ट, तीन एकदिवसीय और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 1998 में अंतिम बार पाक दौरे पर गयी थी। इसके बाद से ही सुरक्षा कारणों से ऑस्ट्रेलियाई टीम पाक नहीं गयी है। गौरतलब है कि श्रीलंकाई टीम पर साल 2009 के पाक दौरे में हुए आतंकी हमले के बाद से ही विदेशी टीमें यहां दौरे पर जाने से इंकार करती रही हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम पाक दौरे में इस बार चार मार्च से पहला टेस्ट मैच रावलपिंडी में खेलेगी। वहीं दूसरा टेस्ट मैच कराची में 12 से 16 मार्च तक खेला जाएगा जबकि तीसरा टेस्ट 21 से 25 मार्च तक लाहौर में होगा। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रावलपिंडी में 29 मार्च से शुरु होगी जबकि एकमात्र टी20 मैच पांच अप्रैल को होगा। पाकिस्तान में पहले छह वर्षों में जिम्बाब्वे, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों ने दौरा किया था पर आस्ट्रेलिया पहली शीर्ष टीम है जो पूर्ण द्विपक्षीय श्रृंखला के लिये पाक पहुंची है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी उत्साहित हैं। वहीं पिछले साल न्यूजीलैंड और इंग्लैंड दोनों ने सुरक्षा कारणों से पाक दौरा रद्द कर दिया था। अब यह दोनों ही टीमें भी इस साल के अंत में पाक का दौरा कर सकती हैं।

एफआईएच प्रो लीग : पहले मैच में भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को हुए एफआईएच प्रो लीग के पहले मैच में स्पेन को 2-1 से हराया। इस मैच में स्पेन की ओर से मार्ता सेगु ने शुरुआत में ही गोल कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी पर 18वें मिनट में भारतयी टीम ने ज्योति के मैदानी गोल से स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद नेहा गोयल के 52वें मिनट में किए गए मैदानी गोल से भारतीय टीम ने दूसरा गोल कर स्पेन के खिलाफ 2-। की बढ़त हासिल कर ली जो अंत तक बनी रही। भारतीय टीम ने शुरुआत में ज्यादा तेजी नहीं दिखायी जिससे स्पेनिश टीम को दबाव बनाने का अवसर मिल गया। स्पेन को चौथे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिल गया पर भारतीय रक्षा पंक्ति ने उसे नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ी पहले क्वार्टर में स्पेन पर आक्रमण करने में सफल रही पर वह अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल पायीं। वहीं दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही स्पेन ने एक गोल कर दिया। पर भारतीय खिलाड़ियों ने भी कुछ देर बाद ही पलटवार कर एक गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद भी स्पेनिश खिलाड़ियों के हमले जारी रहे पर भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें नाकाम कर दिया। क्वार्टर में स्पेन ने लगातार हमले कर भारत की रक्षात्मक पंक्ति पर दबाव बनाया, पर भारतीय टीम ने उसका

अच्छा बचाव किया। वहीं भारतीय खिलाड़ियों ने भी जवाबी हमले किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। चौथे और अंतिम क्वार्टर में स्पेन ने लगातार हमले कर भारत की रक्षात्मक पंक्ति पर दबाव बनाया, पर भारतीय टीम ने उसका अच्छा बचाव किया। खेल समाप्त होने से कुछ मिनट पहले ही वंदना कटारिया के पास पर नेहा ने गेंद गोल पोस्ट में भेज कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। इसके बाद स्पेन ने वापसी के प्रयास किये पर उसे सफलता नहीं मिल पायी। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने लीग में अपना तीसरा मुकाबला जीता। इससे पहले भारतीय टीम ने ओमान के मस्कट में हुए दो शुरूआती मैचों को जीता था।

संक्षिप्त समाचार

रणजी ट्रॉफी : पंजाब ने हरियाणा को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली । पंजाब ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप एफ मैच में रविवार को यहां हरियाणा को 10 विकेट से हरा दिया। पंजाब की जीत में तेज गेंदबाज बलतेज सिंह और बायें हाथ के स्पिनर अभिषेक शर्मा की अहम भूमिका रही, दोनो ने ही तीन-तीन विकेट लिए। पंजाब को इस जीत से बोनस सहित सात अंक मिले हैं। हरियाणा ने फॉलोआन आज सुबह अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 149 रनों से आगे खेलना शुरु किया पर उसकी पूरी टीम 203 रनों पर ही सिमट गयी। पंजाब को इस मैच में जीत के लिए 42 रन का लक्ष्य मिला और उसने प्रभसिमरन सिंह के नाबाद 25 रन और कप्तान अभिषेक शर्मा के नाबाद 20 रनों की सहायता से बिना कोई विकेट खोये 45 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक 15 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि बलतेज ने में 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। वहीं सिद्धार्थ कौल ने 75 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं हरियाणा की ओर से केवल निशांत सिंधू ने ही सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। इससे पहले पंजाब ने अपनी पहली पारी में 444 रन बनाकर हरियाणा को 282 रन पर आउट करके फॉलोआन दिया था। अपनी दूसरी पारी में भी हरियाणा के बल्लेबाज पंजाव के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये।

बिना फैंस के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे कोहली

मुंबई ।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 4 मार्च को मोहाली में खेला जाएगा। जो पूर्व कप्तान विराट कोहली के टेस्ट करियर का 100वां टेस्ट मैच होगा। मार्च को होने वाला यह टेस्ट मैच बिना दर्शकों के खेला जाएगा, यानि पीसीए आईएस बिंद्रा स्टेडियम में फैंस को प्रवेश नहीं मिल पाएगा। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ दीपक शर्मा ने कहा, भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट बिना किसी दर्शक के बंद स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत-श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच मोहाली में होगा और दूसरा टेस्ट मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। कोहली टेस्ट मैचों में पहली बार भारत की अगुवाई कर रहे रोहित शर्मा के नेतृत्व में अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने वाले है। कोहली ने 99 टेस्ट में 50.39 की औसत से 7962 रन बनाए हैं, जिसमें 27 शतक उनके नाम दर्ज है।

बता दें कि कोहली श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेल रहे हैं, उन्हें बायोबबल से ब्रेक दिया गया है। कोहली के अलावा पंत भी टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। भारत के पूर्व कप्तान कोहली ने साउथ अफ्रीका के दौरे पर टेस्ट सीरीज में हार के बाद कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद रोहित शर्मा को भारत का टेस्ट कप्तान बनाया गया है। रोहित अब भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में कप्तानी करने वाले हैं। कोहली आईपीएल में भी कप्तानी नहीं करने वाले हैं। टी20 विश्व कप सबसे छोटे प्रारूप में भारत के कप्तान के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। कोहली ने पहले कहा था कि टी20 विश्व कप सबसे छोटे प्रारूप में भारत के कप्तान के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। इसके बाद उन्होंने आईपीएल की कप्तानी छोड़ने की भी घोषणा कर दी थी। इसके बाद उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया और फिर उन्होंने टेस्ट टीम की कप्तानी भी छोड़ दी थी।

युवा खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान टीम इंडिया और बीसीसीआई

नई दिल्ली । श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी-20 से ठीक पहले युवा ओपनर रुतुराज गायकवाड़ कलाई की चोट के कारण सीरीज से ही बाहर हो गए। उनकी जगह मयंक अग्रवाल को टीम में शामिल किया गया है। पिछली दो सीरीज पर देखने पर भारत के आधा दर्जन खिलाड़ी घायल हैं, और या तब बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकैडमी (एनसीए) में रिहैब से गुजर रहे हैं या फिर घर आराम कर रहे हैं। यह इसलिए भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए टेंशन की बात है, क्योंकि उसे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार करनी है और दावेदार खिलाड़ी खेल ही नहीं पा रहे हैं।यह कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के आईसीसी टूर्नामेंट जीतने के सपने पर पानी फेर सकता है। बता दें कि टीम इंडिया के मैच विनर्स में शामिल रहे हार्दिक पंड्या अब तक फिटनेस नहीं पा सके हैं। केएल राहुल : टीम इंडिया के उपकप्तान केएल राहुल को वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 फरवरी, 2022 को हुए दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था। इसकी वजह से वह आखिरी वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर हो गए। श्रीलंका सीरीज के लिए भी फिट नहीं हुए। अक्षर पटेल हाल ही में कोरोना से उबरने के बाद अक्षर पटेल वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने की तैयारी कर ही रहे थे, कि चोटिल हो गए। उन्हें बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी जाना पड़ा। फिलहाल अक्षर पटेल रिहैब से गुजर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव मीडिल ऑर्डर के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव श्रीलंका के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज से बाहर हो गए। 31 वर्षीय बल्लेबाज के हाथ में हेयरलाइन फ्रैक्चर हैं, उन्हें सीरीज के लिए अनफिट बताया गया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 इंटरनैशनल सीरीज के तीसरे मैच में फील्डिंग दौरान उन्हें चोट लगी थी। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे। दीपक चाहर - दीपक चाहर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के आखिरी मैच में ओपनर्स को आउट करने के बाद मैदान से बाहर चले गए थे। वह कोलकाता में अपना दूसरा ओवर भी पूरा नहीं कर पाए थे। उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। चाहर भी श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गए थे। रुतुराज गायकवाड़ रुतुराज गायकवाड़ को वेस्टइंडीज उन्हें श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में भी मौका मिल रहा था, लेकिन वह मैच से पहले अपनी कलाई चोटिल करा बैठे। इसकारण उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा है।

महिला विश्वकप से पहले मंधाना के सिर में लगी गेंद

क्राइस्टचर्च ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना शुक्रवार से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्व कप से पहले हुए एक अभ्यास मैच में घायल हो गयी हैं। इससे भारतीय टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि मंधाना टीम की एक प्रमुख बल्लेबाजी हैं। मंधाना के सिर में दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल की एक बाउंसर लगी। यह गेंद मंधाना के हेलमेट पर लगी जिसके कारण उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मंधाना को लगी चोट से महिला विश्व कप से पहले भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। भारतीय टीम के चिकित्सा दल के अनुसार इस बल्लेबाज को बेहोशी जैसे कोई लक्षण नहीं थे पर एहतियात के तौर पर उसे जांच के लिए मैदान से बाहर ले जाया गया। इसी कारण वह दक्षिण अफ्रीकी पारी शुरू होने पर क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान पर नहीं उतरी। पृथकवास के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के आखिरी दो मैचों में खेलने वाली मंधाना भारतीय टीम की प्रमुख सदस्य हैं और उनसे शुक्रवार से शुरू हो रहे विश्व कप में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है।

महिला पेसर झूलन की बायोपिक के लिए अनुष्का ने शुरू की कड़ी मेहनत, इंस्टा पर दिखाई झलक

नई दिल्ली । भारतीय महिला पेसर झूलन गोस्वामी की जिंदगी पर आधारित फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा कड़ी मेहनत कर रही हैं। अनुष्का ने सोशल मीडिया पर इसकी झलक दिखाई है, जिसमें वह झूलन की तरह गेंदबाजी करने की कोशिश करती दिख रही हैं। झूलन गोस्वामी पर बनने वाली बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' के नाम से रिलीज होगी। फिल्म में पश्चिम बंगाल की रहने वालीं दिग्गज पेसर झूलन गोस्वामी के जीवन और क्रिकेट यात्रा के बारे में बताया जाएगा। 'चकदा एक्सप्रेस' नाम की यह फिल्म इसी साल रिलीज होने की उम्मीद है। अनुष्का इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'पीके' फेम अनुष्का ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसमें उन्होंने अपने फैंस को फिल्म से जुड़ी तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। अनुष्का ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा-'ग्रिप बाय ग्रिप। उन्होंने हैशटैग में 'चकदा एक्सप्रेस' यानी फिल्म का नाम लिखकर झूलन को टैग किया। इस पोस्ट को अभी तक 10 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने लाइक किया है। अनुष्का शर्मा इस पोस्ट में गेंद के साथ-साथ गेंदबाजी एक्शन पर भी पूरी मेहनत करती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पोस्ट पर खुद झूलन गोस्वामी ने भी कमेंट किया है। झूलन ने लिखा बहुत अच्छा। झूलन गोस्वामी की गिनती दुनिया की सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में होती है। बंगाल के नादिया में जन्मीं झूलन ने टेस्ट में 44 और वनडे में कुल 245 विकेट झटके हैं। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट में 2 और वनडे में 1 अर्धशतक लगाया है।

सबसे अधिक 5 बार मुंबई इंडियन्स ने जीती आईपीएल चैंपियनशिप, 6 बार खेला फाइनल

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग आईपीएल के 15वें सीजन (आईपीएल-2022) का आगाज 26 मार्च से किया जाएगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने अपनी बैठक में लीग के अगले सीजन से जुड़े कुछ अहम फैसले लिए हैं। खास बात यह है कि पूरा सीजन भारत की मेजबानी में खेला जाएगा। हवाई यात्रा से बचने के लिए एक ही राज्य में जैव-सुरक्षित वातावरण यानी बायो-सिक्योर बबल में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। आईपीएल के पिछले सीजन को 2 चरणों में आयोजित किया गया था जब भारत में कुछ खिलाड़ी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। इसी खतरे से बचने के लिए मुंबई और पुणे में लीग के मैचों का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 29 मई 2022 को खेला जाएगा। मुंबई और पुणे में 4 अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियमों में कुल 70 लीग मैच खेले जाएंगे। जबकि, प्लेऑफ मैचों का स्थान बाद में तय किया जाएगा। मुंबई इंडियंस लीग की सबसे सफल टीम मानी जाती है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इस बार कुछ नए खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। वहीं, लीग से 2 नई टीम भी जुड़ी हैं। इनमें से लखनऊ सुपर जाइंट्स की कप्तानी केएल राहुल संभालेंगे, वहीं गुजरात टाइटंस की कमान ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के पास है।

मुंबई इंडियंस टीम ने सबसे अधिक पांच बार आईपीएल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। वह कुल छह बार फाइनल में पहुंची। दूसरे स्थान पर सबसे सफल टीम है चेन्नई सुपर किंग्स, जिसने में नौ बार फाइनल में जगह बनाई और चार बार चैंपियन बनने में सफल रही। कोलकाता नाइटराइडर्स कुल दो बार चैंपियन बनी है, जबकि वह तीन बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही है। सन राइजर्स हैदराबाद टीम एक बार चैंपियन बनी जबकि वह दो बार फाइनल में पहुंची।

ईशान किशन को मैच के दौरान लगी तेज बॉल, अस्पताल में हुए भर्ती

नई दिल्ली । श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में ओपनर बल्लेबाज ईशान किशन बल्ले से नाकाम रहे थे। पहले मुकाबले के हीरो ईशान अबकी बार 16 रन बनाकर आउट हो गए थे। ईशान को लाहिरु कुमारा ने कप्तान दसुन शनाका के हाथों कैच आउट कराया। इस छोटी सी पारी के दौरान ईशान किशन को मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा, जब लाहिरु कुमारा की एक तेज बाउंसर ईशान किशन के सिर पर जा लगी। गेंद लगने के बाद वो हेलमेट उतारकर वहीं बैठ गए थे, जिसके बाद भारतीय फिजियो ने मैदान पर आकर उनकी तहकीकात की। इसके बाद ईशान किशन ने अपनी बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन वह लाहिरु कुमारा का ही शिकार बने। सूत्रों के मुताबिक बल्लेबाजी के दौरान चोटिल होने के बाद ईशान को अस्पताल ले जाया गया। उन्हें एहतियातन तुरंत सीटी स्कैन किया गया। सूत्र ने कहा कि फिलहाल वह अच्छा कर रहे हैं और जल्द ही उन पर एडवाइजरी जारी की जाएगी। क्या ईशान आज के मैच के लिए उपलब्ध होंगे, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है। ईशान के अलावा श्रीलंकाई बल्लेबाज दिनेश चांडीमल को कांगड़ा के फोर्टिस अस्पताल में ही भर्ती कराया गया है। चांडीमल भी दूसरे टी20 मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए चोटिल हो गए थे। ईशान यदि तीसरे मुकाबले के लिए अनफिट हो जाते हैं, तो मयंक अग्रवाल को चांस मिल सकता है। वैसे भी, तीसरे टी20 में भारत के पास अपने बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने का सुनहरा मौका होगा। रवि बिश्नोई, आवेश खान, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और मयंक अग्रवाल उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें मौके की तलाश है। कप्तान रोहित शर्मा ने भी तीसरे मुकाबले में बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने के संकेत दिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

महाशिवरात्रि 2022 : शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

नंदी बैल : भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित : शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

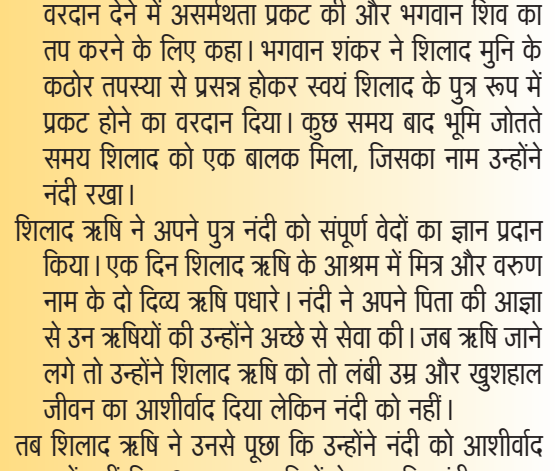

इस वर्ष महाशिवरात्रि पर शुभ मुहूर्त और संयोग के साथ ही पंचग्रही योग भी बन रहे हैं। इस योग में भगवान शिव की पूजा की तो मिलेगा का उनका आशीर्वाद। आओ जानते हैं कि क्यों मनाते हैं महाशिवरात्रि और इस वर्ष किन राशियों के लिए है शिवरात्रि शुभ।

क्यों मनाते हैं महाशिवरात्रि, इस साल किन राशियों के लिए शुभ है शिवरात्रि का पर्व

इसलिए मनाते हैं महाशिवरात्रि

प्रतिवर्ष श्रावण माह में आने वाली चतुर्दशी को शिवरात्रि मनाई जाती है। कहते हैं कि भगवान शिव ने अमृत मंथन के दौरान निकले हलाहल नामक विष को अपने कंठ में रख लिया था। इसी विष की तपन को शांत करने के लिए इस दिन सभी देवताओं ने उनका जल और पंचामृत से अभिषेक किया था। इसीलिए श्रावण माह में शिवजी को जल और दूध अर्पित करने का प्रचलन है।

प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी पर पड़ने वाली शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है, जिसे बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने का विशेष महत्व और विधान है। कहते हैं कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में आदिदेव भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिंग रूप में प्रकट हुए थे। कहते हैं कि इसी दिन भगवान शंकर की माता पार्वती के साथ शादी भी हुई थी। इसलिए रात में शंकर की बारात निकाली जाती है। रात में पूजा कर फलाहार किया जाता है। अगले दिन सवेरे जौ, तिल, खीर और बेल पत्र का हवन करके व्रत समाप्त किया जाता है।

इस साल इन राशियों के लिए शुभ है शिवरात्रि का पर्व

1. मेष : मेष राशि मंगल की राशि है। इसीलिए मेष राशि के जातकों के लिए महाशिवरात्रि का दिन शुभ रहने वाला है क्योंकि इस दिन मंगलवार भी है। आपको भोलेबाबा का आशीर्वाद मिलेगा और सभी मनोकामना पूर्ण होगी।
2. वृषभ : वृषभ राशि शुक्र की राशि है। शुक्रदेव और शुक्राचार्य भोलेबाबा के भक्त हैं। शुक्र की शनि से मित्रता है। इसीलिए महाशिवरात्रि का दिन आपके लिए शुभ होने वाला है और इस दिन संतान सुख बढ़ेगा।
3. मिथुन : मिथुन राशि बुध की राशि है। बुध इस समय शनि की मकर राशि में गोचर कर रहा है। बुधदेव भी चंद्रकुल के हैं। चंद्रदेव शिव के भक्त हैं। महाशिवरात्रि के दिन आप पर भोलेबाबा की कृपा रहेगी। यह त्योहार खुशियां और शुभ समाचार लेकर आ रहा है।
4. कर्क : कर्क राशि का स्वामी चंद्र है। चंद्रदेव भोलेबाबा के भक्त हैं। आपको महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होगा और आपको सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलेगी।
5. सिंह : सिंह राशि सूर्य की राशि है और सूर्य कुंभ से मीन राशि में प्रवेश करने वाले हैं। आपके लिए महाशिवरात्रि का दिन बहुत ही खास रहने वाला है। भगवान शिव का आशीर्वाद मिलेगा और सभी मनोकामना पूरी होगी।
6. तुला : तुला राशि भी वृषभ की तरह शुक्र की राशि है। शुक्रदेव और शुक्राचार्य भोलेबाबा के भक्त हैं। शुक्र की शनि से मित्रता है। इसीलिए महाशिवरात्रि का दिन आपके लिए शुभ होने वाला है और इस आपको संकटों से मुक्ति मिलेगी।
7. मकर : मकर राशि शनिदेव की राशि है। इस राशि पर भगवान शनि के साथ ही भगवान शिव की विशेष कृपा रहती है। अत- महाशिवरात्रि का दिन इनके लिए बहुत ही खास होने वाला है।
8. कुंभ राशि : यह राशि भी शनिदेव की राशि है। आप पर भी शनिदेव के साथ भी भोलेबाबा की की विशे कृपा बनी रहती है। बाबा की कृपा से इस दिन से आपके सभी तरह के कष्टों का अंत होगा।

गुरु की राशि धनु और मीन, मंगल की राशि वृश्चिक और बुध की राशि कन्या के पहले से ही अच्छे दिन चल रहे हैं।

डिस्क्लेमर : यह जानकारी ज्योतिष मान्यता, गोचर की प्रचलित धारणा आदि पर आधारित है। इसकी पुष्टि वेबदुनिया नहीं करता है। पाठक ज्योतिष के किसी जानकार से पूछकर ही कोई निर्णय लें।

यह महाशिवरात्रि है बहुत खास,

दुर्लभ संयोग में होगा भोलेनाथ का विवाह

इस बार की महाशिवरात्रि कुछ खास है क्योंकि यह बहुत ही शुभ मुहूर्त, शुभ योग और पंचग्रही योग में मनाई जाएगी। इस दिन दुर्लभ संयोग में भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह होगा। आओ जानते हैं पूजा के शुभ मुहूर्त के साथ सभी योग और संयोग के बारे में।

महाशिवरात्रि डेट : इस वर्ष महाशिवरात्रि 1 मार्च को सुबह 03.16 मिनट से शुरू होकर बुधवार, 2 मार्च को सुबह 10 बजे तक रहेगी। कहते हैं महाशिवरात्रि के दिन चाहे कोई भी समय हो भगवान शिव जी की आराधना करना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

- अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:47 से दोपहर 12:34 तक।
- विजय मुहूर्त : दोपहर 02:07 से दोपहर 02:53 तक।
- गोधूलि मुहूर्त : शाम 05:48 से 06:12 तक।
- सायाह्न संध्या मुहूर्त : शाम 06:00 से 07:14 तक।
- निशिता मुहूर्त : रात्रि 11:45 से 12:35 तक।
- रात्रि में शिव जी के पूजन का शुभ समय शाम 06.22 मिनट से शुरू होकर रात्रि 12.33 मिनट तक रहेगा।

खास संयोग : धनिष्ठा नक्षत्र में परिघ योग रहेगा। धनिष्ठा के बाद शतभिषा नक्षत्र रहेगा। परिघ के बाद शिव योग रहेगा। सूर्य और चंद्र कुंभ राशि में रहेंगे।

ग्रह संयोग: बारहवें भाव में मकर राशि में पंचग्रही योग रहेगा। मंगल, शुक्र, बुध और शनि के साथ चंद्र है। लग्न में कुंभ राशि में सूर्य और गुरु की युति रहेगी। चतुर्थ भाव में राहु वृषभ राशि में जबकि केतु दसवें भाव में वृश्चिक राशि में रहेगा।

चन्द्रबल : मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर और मीन।

ताराबल : भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद और रेवती है।

भगवान शिव के 12 अनमोल वचन

भगवान शिव दुनिया के सभी धर्मों का मूल हैं। शिव के दर्शन और जीवन की कहानी दुनिया के हर धर्म और उनके ग्रंथों में अलग-अलग रूपों में विद्यमान है। भगवान शिव के अनमोल वचनों को 'आगम ग्रंथों' में संग्रहित किया गया है। आगम का अर्थ ज्ञान अर्जन। पारंपरिक रूप से शैव सिद्धांत में 28 आगम और 150 उप-आगम हैं। शिव पुराण, शिव संहिता, शिव सूत्र, महेश्वर सूत्र और विज्ञान भैरव तंत्र सहित अनेक ग्रंथों में अनमोल वचनों को संग्रह करके रखा गया है। उनमें से ही कुछ अनमोल मोती...

- कल्पना ज्ञान से महत्वपूर्ण: आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि 'कल्पना' ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम जैसी कल्पना और विचार करते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। सपना भी कल्पना है। अधिकतर लोग खुद के बारे में या दूसरों के बारे में बुरी कल्पनाएं या खयाल करते रहते हैं। दुनिया में आज जो दहशत और अपराध का माहौल है उसमें सामूहिक रूप से की गई कल्पना का ज्यादा योगदान है।
- बदलाव के लिए जरूरी है ध्यान : आदमी को बदलाहट की प्रामाणिक विधि के बिना नहीं बदल सकते। मात्र उपदेश से कुछ नहीं बदलता। भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा में माता पार्वती को मोक्ष की शिक्षा दी थी। पार्वती और शिव के बीच जो संवाद होता है उसे 'विज्ञान भैरव तंत्र' में संग्रह किया गया है। इसमें ध्यान की 112 विधियां संग्रहीत है।
- शून्य में प्रवेश करो : विज्ञान भैरव तंत्र में शिव पार्वतीजी से कहते हैं, 'आधारहीन, शाश्वत, निश्?चल आकाश में प्रविष्?ट होओ।' वह तुम्?हारे भीतर ही है। भगवान शिव कहते हैं- 'वामो मार्ग: परमगहनो योगिताम्प्यगम्य:' अर्थात वाम मार्ग अत्यंत गहन है और योगियों के लिए भी अगम्य है। -मेरुतंत्र...भगवान शिव के योग को तंत्र या वामयोग कहते हैं। इसी की एक शाखा हठयोग की है।
- आदमी पशुवत है : मनुष्य में जब तक राग, द्वेष, ईर्ष्या, वैमनस्य, अपमान तथा हिंसा जैसी अनेक पाशविक वृत्तियां रहती हैं, तब तक वह पशुओं का ही हिस्सा है। पशुता से मुक्ति के लिए भक्ति और ध्यान जरूरी है।

भगवान शिव के कहने का मतलब यह है कि आदमी एक अजायबघर है। आदमी कुछ इस तरह का पशु है जिसमें सभी तरह के पशु और पक्षियों की प्रवृत्तियां विद्यमान हैं। आदमी ठीक तरह से आदमी जैसा नहीं है। आदमी में मन के ज्यादा सक्रिय होने के कारण ही उसे मनुष्य कहा जाता है, क्योंकि वह अपने मन के अधीन ही रहता है।

- मरना सीखो: यदि जीवन में कुछ सीखना है तो मरना सीखो। जो मरना सीख जाता है वही सुंदर ढंग से जीना जानता है।
- गायत्री मंत्र: ' 'गायत्री-मंजरी' में 'शिव-पार्वती संवाद' आता है जिसमें भगवती पूछती हैं- 'हे देव! आप किस योग की उपासना करते हैं जिससे आपको परम सिद्धि प्राप्त हुई है?' उन्होंने उत्तर दिया- 'गायत्री ही वेदमाता है और पृथ्वी सबसे पहली और सबसे बड़ी शक्ति है। वह संसार की माता है। गायत्री भूलोक की कामधेनु है। इससे सब कुछ प्राप्त होता है। ज्ञानियों ने योग की सभी क्रियाओं के लिए गायत्री को ही आधार माना है।'
- जीवन को सुखमयी बनाने के लिए : भोजन और पान (पेय) से उत्पन्न उल्लास, रस और आनंद से पूर्णता की अवस्था की भावना भरें, उससे महान आनंद होगा। या अचानक किसी महान आनंद की प्राप्ति होने पर या लंबे समय बाद बंधु-बांधव के मिलन से उत्पन्न होने वाले आनंद का ध्यान कर तल्लीन और तन्मय हो जाएं।
- प्रकृति का सम्मान करो : प्रकृति हमें जीवन देने वाली है, इसका सम्मान करो। जो इसका अपमान करता है समझो मेरा अपमान करता है। दुनिया का हर काम प्रकृति के नियमों और तरीकों से ही होता है, लेकिन अहंकार से ग्रसित लोग ऐसा मानते हैं कि सबकुछ वही कर रहे हैं।
- योग की शक्ति को समझो

विस्मयो योगभूमिका:। स्वपदंशक्ति। वितर्क आत्मज्ञानमू। लोकानन्द: समाधिसुखम्। -शिवसूत्र

अर्थात: विस्मय योग की भूमिका है। स्वयं में स्थिति ही शक्ति है। वितर्क अर्थात विवेक आत्मज्ञान का साधन है। अस्तित्व का आनंद भोगना समाधि है।

- अपनी तरफ देखो- न तो पीछे, न आगे। कोई तुम्हारा नहीं है। कोई बेटा तुम्हें नहीं भर सकेगा। कोई संबंध तुम्हारी आत्मा नहीं बन सकता। तुम्हारे अतिरिक्त तुम्हारा कोई मित्र नहीं है। -शिवसूत्र
- माया को समझो:

आत्मा चित्तम्। कलादीनां तत्वानामविवेको माया। मोहावरणात् सिद्धि:। जाग्रद् द्वितीय कर:। -शिवसूत्र

अर्थात आत्मा चित्त है। कला आदि तत्?वों का अविवेक ही माया है। मोह आवरण से युक्त को सिद्धियां तो फलित हो जाती हैं, लेकिन आत्मज्ञान नहीं होता है। स्थायी रूप से मोह जय होने पर सहज विद्या फलित होती है। ऐसे जाग्रत योगी को, सारा जगत मेरी ही किरणों का प्रस्फुरण है, ऐसा बोध होता है।

- अपनी जागरूकता का विस्तार करो। अन्य प्राणियों के शरीर में अपनी जागरूकता का विस्तार करके महसूस करो कि वे क्या सोचते हैं। अपने शरीर की जरूरतों को एक तरफ छोड़ दो।- शिवसूत्र

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन संकट- ब्रिटेन ने रूस को घेरा, स्विफ्ट बैंकिंग नेटवर्क से बाहर करने चलाया अभियान

लंदन ।

यूक्रेन पर रूस की आक्रमकता को लेकर पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। इस संकट के चलते ब्रिटेन ने रूस को घेरते हुए दुनिया भर में स्विफ्ट बैंकिंग नेटवर्क से बाहर करने के लिए यूरोप में अभियान चलाया है। ब्रिटेन का कहना है कि यूक्रेन पर आक्रमण करने के लिए रूस के खिलाफ कड़े वित्तीय प्रतिबंधों के तहत ऐसा किया जाना चाहिए। सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) दुनिया की प्रमुख बैंकिंग संदेश सेवा है, जो भारत सहित 200 से अधिक देशों में लगभग 11,000 बैंकों और वित्तीय संस्थानों को जोड़ती है। बेल्जियम स्थित इस प्रणाली को वैश्विक वित्त व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और अगर रूस इससे बाहर होता है, तो यह उसके लिए एक बड़ा झटका साबित होगा। ब्रिटेन के इस प्रस्ताव पर कनाडा और कुछ अमेरिकी सांसद उसके साथ हैं, लेकिन यूरोपीय संघ (ईयू) के भीतर इस पर असहमति है, क्योंकि इससे तेल और गैस के लिए भुगतान प्रभावित होगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को नाटो नेताओं के साथ प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की बैठक का हवाला देते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री ने नेताओं से राष्ट्रपति पुतिन और उनके शासन को सबक सिखाने के लिए स्विफ्ट के खिलाफ तत्काल ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने बताया, 'ब्रिटेन चाहता है कि रूस के लिए स्विफ्ट सिस्टम को बंद कर दिया जाए, लेकिन दुर्भाग्य से स्विफ्ट प्रणाली हमारे नियंत्रण में नहीं है।

यूरोपीय आयोग का पुतिन को झटका! रूस का वैश्विक व्यापार होगा ठप, लगाई नई पाबंदियां

जर्मनी ।

युक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर उसकी आक्रमकता को लेकर उसकी पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, इटली, ग्रेट ब्रिटेन और यूरोपीय आयोग ने रविवार को रूस को स्विफ्ट ग्लोबल पेमेंट सिस्टम से बाहर कर देने का ऐलान किया है। यह एक वैश्विक भुगतान प्रणाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसका उद्देश्य इन संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रवाह को बाधित करना है। यह रूस के वैश्विक व्यापार को बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित कर देगा। रूस लगातार यूक्रेन पर हमले कर रहा है जिसके कारण रूस पर लगातार कई प्रतिबंध लगाए जा रहे है और यह नए प्रतिबंध भी इसी का हिस्सा है।जर्मन सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि, यूक्रेन पर रूस के लगातार हमले हो रहे है जिसके देखते हुए रूस पर यह तीसरा प्रतिबंध लगाया जा रहा है। बता दें कि, इन प्रतिबंधों से रूस पर काफी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि, रूस तेल और गैस के निर्यात के लिए काफी हद तक स्विफ्ट बैंकिंग प्रणाली पर निर्भर है। हालांकि, इससे न केवल रूस को नुकसान पहुंचेगा बल्कि इसका असर रूस के साथ व्यापार करने वालों को भी होगा जिसमें कई पश्चिमी देश भी शामिल हैं। रूस पर लगाए गए इस नए प्रतिबंध को लेकर यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल ने ट्वीट कर कहा कि, हम अन्य देशों द्वारा रूस पर लगाए गए इन इन प्रतिबंधों की सराहना करते है और इस संकट के समय यह यूक्रेन के लिए बड़ी मदद है। मालूम हो कि, स्विफ्ट का पूरा नाम सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्यूनिकेशन है।

बेल्जियम में स्थित यह एक बेहद ही सुरक्षित मैसेजिंग प्रणाली है। इससे पैसों के लेनदेन सीमा पार अन्य देशों के साथ बड़ी आसानी से किया जाता है और दुनिया की लगभग 11000 से ज्यादा बैंको और वित्तीय संगठनों के साथ वित्तीय लेनदेन की सुविधा भी इसी से मिलती है।

नार्थ कोरिया ने दो माह के बाद फिर किया बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण!

नार्थ कोरिया ।

नार्थ कोरिया सामरिक रूप से लगातार अपने को मजबूत करने में लगा है। दो माह के बाद एक बार फिर से एक मिसाइल का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी के मुताबिक इस मिसाइल का परिक्षण रविवार सुबह किया गया है। एजेंसी के मुताबिक दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने बताया है कि ये पूर्वी दिशा की तरफ से लान्च की गई थी। हालांकि अभी इसकी अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। जापान के कोस्ट गार्ड ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया ने एक मिसाइल लान्च की है। जापान की तरफ से अपने जहाजों को सतर्क रहने को भी कहा है। के योडो की रिपोर्ट में कहा गया है कि ये मिसाइल जापान सागर की तरफ छोड़ी गई। रिपोर्ट के मुताबिक ये एक बैलेस्टिक मिसाइल हो सकती है। ये जापान के बाहरी एक्सक्लूसिव इकनामिक जोन में दिखाई दी थी। यदि ये साबित हो जाता है कि ये एक मिसाइल थी तो ये इस वर्ष उत्तर कोरिया का आठवां परिक्षण होगा। आपको बता दें कि जनवरी में उत्तर कोरिया ने सात मिसाइल परिक्षण किए थे। इन परिक्षणों से समूचा प्रायद्वीप दहशत में आ गया था। जनवरी में ही उत्तर कोरिया ने अपना सबसे शक्तिशाली मिसाइल परिक्षण भी किया था।उत्तर कोरिया द्वारा जनवरी में किए गए मिसाइल परिक्षणों के दौरान एक बार भी राष्ट्र के प्रमुख किम जोंग उन दिखाई नहीं दिए थे। फरवरी में मीडिया में उनकी पहली बार तस्वीर जारी हुई थी जिसमें वो अपने दूसरे अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के साथ घुड़सवारी करते हुए दिखाई दे रहे थे।

पृथ्वी की ओर आ रहा था क्षुद्रग्रह, फिर रहस्यमय तरीके से बदला रास्ता

लंदन ।

हर सप्ताह पृथ्वी के पास किसी न किसी क्षुद्रग्रह या अन्य पिंड के गुजरने की खबर आती है। वैज्ञानिक गणना करने लगते हैं कि पिंड पृथ्वी से टकराएगा या नहीं। अगर नहीं तो कितनी दूर से गुजरेगा। पिछले माह खगोलविद पृथ्वी की ओर आ रहे ऐसे ही एक पिंड का अवलोकन कर रहे थे, जिसके बारे में आशंका जताई जा रही थी कि वह सन 2023 में पृथ्वी से टकराएगा। अचानक इस पिंड ने रहस्यमय तरीके से अपना रास्ता बदल दिया। इस घटना ने खगोलविदों को भी हैरान कर दिया। 2022 एई1 नाम का यह क्षुद्रग्रह 4 जुलाई 2023 को पृथ्वी से टकराने वाला था। खगोलविदों ने अनुमान लगाया था कि इस क्षुद्रग्रह के टकराव से स्थानीय इलाके को नुकसान होगा। यूरोपीय स्पेस एजेंसी का कहना है कि यह क्षुद्रग्रह इतनी तेजी से पृथ्वी की ओर आ रहा था कि इसे मोड़ने का समय ही नहीं था। इसके पहले सात दिनों के अवलोकनों के बाद इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना बढ़ गई थी। जब चंद्रमा दूर हआ तो टेलीस्कोप इसे फिर से देख सके तब कहीं जाकर उसके पृथ्वी से नहीं टकराने की गिरती संभावना का पता लगाया जा सका। यह क्षुद्रग्रह इस साल 6 जनवरी को पहचाना गया था। इसके एक ही दिन बाद एस्ट्रॉयड ऑर्बिट डिटर्मिनेशन ऑटोमेटेड सिस्टम के द्वारा सक्षम भावी टकराव की श्रेणी में डाल दिया गया था। यह सिस्टम क्षुद्रग्रह के अवलोकन आंकड़ों के आधार पर कक्षा की स्वतः ही गणना कर लेता है।

ये आंकड़े पूरी दुनिया की वेधशालाओं और टेलीस्कोप से मिलते हैं। पृथ्वी के पास से गुजरने वाले पिंडों के टकराव के जोखिमों की श्रेणी और प्राथमिकताओं को तय करने लिए खगोलविद पेलेर्मो स्केल का उपयोग करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन- प्रशासन ने राजधानी कीव में कर्फ्यू सोमवार सुबह तक बढ़ाया

कीव । यूक्रेन-रूस जंग संकट से जूझ रहे देश में राजधानी कीव प्रशासन ने शहर में कर्फ्यू सोमवार की सुबह तक बढ़ा दिया है। रूस की सेना कीव की ओर कूच कर रही है। इससे पहले अधिकारियों ने शाम पांच बजे से सुबह आठ बजे तक कर्फ्यू लागू करने का ऐलान किया था लेकिन बाद में स्पष्टीकरण दिया गया कि यह शुक्रवार दोपहर बाद से सोमवार सुबह तक लागू रहेगा ताकि लोग रविवार को अपने घरों के भीतर रहें। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब यूक्रेन की ओर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि शहर में घुस रहे रूसी सैनिकों के छोटे समूहों से जंग जारी है। इसके साथ ही और रूसी सैनिक कीव की ओर कूच कर रहे हैं।

पाकिस्तान में मजदूरी-सुरक्षा, शांति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए औरत मार्च की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में महिलाएं 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाले औरत मार्च की तैयारी कर रही हैं। इस बीच, इमरान सरकार रूढ़िवाद को बढ़ावा देने के लिए हिजाब का सहारा लेकर महिला सशक्तिकरण के उनके प्रयासों को विफल करने की कोशिश कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाला पाकिस्तान का औरत मार्च, महिलाओं के लिए मजदूरी, सुरक्षा और शांति पर केंद्रित होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सामाजिक कार्यकर्ता शीमा करमानी ने गुरुवार को कराची प्रेस क्लब (केपीसी) में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इस साल के औरत मार्च का नारा है उजरत, तहफ्फुज और सुखून। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि इस साल यह पांचवां औरत मार्च होगा। उनके भाषण के बाद औरत मार्च के एक आयोजक ने तीन केंद्रीय मांगों को सामने रखते हुए कहा कि यह मार्च महिलाओं की सुरक्षा श्रम और कड़ी मेहनत को समर्पित है। औरत की तीन मांगों में सभी श्रमिक, चाहे वे कारखानों में, खेतों और घरों में, घरों में घरेलू कामगारों के रूप में काम कर रहे हों या सफाई कर्मचारियों के रूप में काम कर रहे हों, उन्हें सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उनके लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा के आधार पर एक जीवित मजदूरी दी जाना शामिल हैं।

पेशावर में विस्फोट में 2 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत, अन्य घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक विस्फोट के बाद दो फ्रंटियर कोर (एफसी) कर्मियों की मौत हो गई है, जबकि इस हादसे में अन्य लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान की एक रिपोर्ट, डेली पाकिस्तान के अनुसार, इस हमले में एफसी वाहन को निशाना बनाया गया था, जिसके कारण शनिवार को पेशावर के बारा रोड में एफसी कर्मियों की मौत हो गई। सैन्य मीडिया विंग ने कहा कि इससे पहले दिन में उत्तरी वजीरिस्तान जिले के स्पिन वाम इलाके में एक खुफिया-आधारित अभियान में एक आतंकवादी मारा गया था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक आतंकवादी को मार गिराया, जब उन्होंने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ एक खुफिया-आधारित आपरेशन किया।

अफगानिस्तान के छात्र पाबंदियों के साथ लौटे काबुल

काबुल। अफगानिस्तान के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्थानों में से एक काबुल विश्वविद्यालय तालिबान के देश पर कब्जा करने के छह महीने बाद शनिवार को फिर से खुल गया। छात्र-छात्राओं को कक्षाओं में अलग-अलग बैठने को कहा गया। साथ ही, छात्राओं के लिए इस्लामी पोशाक अनिवार्य की गयी है। हिजाब पहनकर आईं कई छात्राएं विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार के बाहर कतार में खड़ी थीं। छात्र अगस्त में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अचानक बंद की गई कक्षाओं को बहाल करने को लेकर उत्सुक दिखे। तालिबान के सिपाही विश्वविद्यालय परिसर के तीन प्रवेश द्वारों पर पहरा दे रहे थे। पहले विश्वविद्यालय में सह-शिक्षा की व्यवस्था थी जिसमें छात्र और छात्राएं को एक साथ बैठने की अनुमति थी। अधिकतर छात्रों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या उम्मीद करें लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वे नियमित पाठ्यक्रम को फिर से शुरू कर सकते हैं और अध्ययन के अपने चुने हुए क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। विश्वविद्यालय काफी हद तक अमेरिकी उदार कला मॉडल का अनुसरण करता है। संगीत विभाग को अब बंद कर दिया गया है। उच्च शिक्षा मंत्रालय के लिए तालिबान के प्रवक्ता अहमद तकी ने 'एसोसिएटेड प्रेस को एक वीडियो क्लिप में कहा, ''काफी देरी के बाद सौभाग्य से सभी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को आज से खोल दिया गया। उन्होंने कहा, ''इस्लामी अमीरात अफगानिस्तान की योजनाओं और नीतियों के आधार पर शिक्षा जारी रहेगी। मानव विज्ञान विषय की छात्रा बहिजा अमन (21) ने कहा, ''पाठ्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मेरी कक्षाओं में अध्यापक भी पहले वाले ही हैं।

अमेरिकी रक्षा विभाग बोला- रूसी सैनिक कीव से 30 किमी की दूरी पर

वॉशिंगटन । यूक्रेन में रूस का आक्रमण लगातार चौथे दिन जारी है ऐसे में अमेरिकी रक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका का अनुमान है कि यूक्रेन की सीमाओं के पास मौजूद रूसी सैन्य बल का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा यूक्रेन में प्रवेश कर चुका है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह पता नहीं है कि अमेरिका ने पूर्व में अनुमान जताया था कि यूक्रेन की सीमा के पास 1,50,000 से ज्यादा सैनिक इकट्ठा हैं। अधिकारी ने कहा कि रूसी सैनिक शनिवार को कीव से करीब 30 किलोमीटर दूर थे और रूस के खुफिया एजेंट कीव में दाखिल हो चुके हैं। वहीं, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सैन्य साजो सामान परिवहन से जुड़ी कठिनाइयों और यूक्रेनी सेना के मजबूत प्रतिरोध के परिणामस्वरूप 'रूसी सैन्य टुकड़ियों की गति अस्थायी रूप से धीमी हो गई है।' मंत्रालय ने कहा, 'रूसी सेनाएं यूक्रेन के प्रमुख रिहायशी इलाकों से गुजर रहीहैं और उन्हें घेरने तथा अलग-थलग करने का प्रयास कर रही हैं।'

यूक्रेन के लोगों की मदद के लिए हंगरी ने हाथ बढ़ाया

बेरेगसुरनी, हंगरी ।

रूस के हमले से जूझ रहे यक्रेन के लोगों की मदद के लिए हंगरी आगे आया है। यहां के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने कहा है कि हंगरी यूक्रेन से आने वाले सभी नागरिकों और अन्य लोगों का स्वागत कर रहा है। सीमावर्ती शहर बेरेगसुरनी में एक संवाददाता सम्मेलन में ओरबान ने कहा, 'मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है जिनके पास कोई यात्रा दस्तावेज नहीं है, लेकिन हम उन्हें भी यात्रा दस्तावेज उपलब्ध करा रहे हैं। हम उन लोगों को भी अनुमति दे रहे हैं जो उचित जांच प्रक्रिया के बाद अन्य देशों से आए हैं।' यूरोपीय संघ में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे करीबी सहयोगी के रूप में ओरबान ने क्रेमलिन के साथ घनिष्ठ आर्थिक और राजनयिक संबंध बनाए हैं।

हालांकि, ओरबान ने कहा है कि हंगरी के पड़ोसी पर रूस के आक्रमण से पुतिन के साथ उनके संबंधों में बदलाव की संभावना है और हंगरी यूरोपीय स्तर पर मास्को के खिलाफ सभी प्रस्तावित प्रतिबंधों का समर्थन कर रहा है। वियनाः जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्त्स और लिथुआनिया के राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा की बर्लिन में होने वाली बैठक से

पहले, पोलैंड के प्रधानमंत्री मैटिअस्ज मोराविएकी ने जर्मनी से ''स्वार्थ'' और ''अहंकार'' को अलग रखने तथा यूक्रेन के लोगों का सहयोग करने का आग्रह किया है। ब्रातिस्लावाः स्लोवाकिया के रक्षा मंत्री जारोस्लाव नाद ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के जवाब में नाटो के अन्य सदस्य देशों के 1,200 विदेशी सैनिकों को उनके देश में तैनात किया जा सकता है।

जेलेंस्की के हॉस्य अभिनेता से यूक्रेन के राष्ट्रपति बनने कर सफरनामा

वारसा ।

रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इन दिनों देश में एक राष्ट्रवादी हीरो के रूप में उभरे हैं। जेलेंस्की जब देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में अपने परिवार के साथ बचपन गुजार रहे तो उनका यहूदी परिवार रूसी बोलता था और उनके पिता ने तो जेलेंस्की के इज़राइल पढ़ने जाने पर भी पाबंदी लगा दी थी। विदेश में पढ़ाई करने के स्थान पर जेलेंस्की ने अपने देश में ही कानून की पढ़ाई की। स्नातक के बाद उन्होंने अभिनय और खास तौर से कॉमेडी (हास्य) को चुना। वहां से 2010 में वह टीवी सीरीज 'सर्वेंट ऑफ पीपुल' के माध्यम से यूक्रेन के मनोरंजन करने वाले शीर्ष कलाकार बन गए। इस सीरीज में जेलेंस्की ने हाई स्कूल के एक लोकप्रिय शिक्षक की भूमिका निभाई थी जो भ्रष्ट राजनेताओं से दुखी होकर अंत में देश का राष्ट्रपति बन जाता है। सीरीज के कुछ साल गुजरने के बाद जेलेंस्की वाकई यूक्रेन के राष्ट्रपति बन जाते हैं और इस सप्ताह रूस की सेना उनके देश, खास तौर से ऐतिहासिक कीव पर रॉकेट बरसा रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि दुनिया भर में डर की स्थिति है और जेलेंस्की की नयी भूमिका संभवतः अब 21वीं सदी के हीरो की हो गई है। इन हालात में भी 44 वर्षीय जेलेंस्की ने कीव छोड़ने से इंकार कर दिया है, जबकि उनका कहना है कि वह रूस के निशाने पर हैं। जेलेंस्की को एक वक्त में कमजोर मानने वाले राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि उनके उदाहरण से वे प्रेरित हैं। इसका एक उदाहरण है, अमेरिका ने जब उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की पेशकश की तो जेलेंस्की ने शुक्रवार को जवाब दिया ।

'मुझे हथियार चाहिए, सुरक्षित रास्ता नहीं।' रूस ने गुरुवार को यूक्रेन पर हमला किया और आज तीसरे दिन, शनिवार को भी रूस की सेना यूक्रेनकी सीमा में आगे बढ़ रही है। हालांकि युद्ध शुरू होने के बाद जेलेंस्की ने यूक्रेन की सुरक्षा के लिए महती प्रयास नहीं करने को लेकर अमेरिका की आलोचना की। यहां उनका तात्पर्य सैन्य मदद या यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने से था।

प्रतिबंध से नाराज पुतिन ने फ्रेंच गुएना से अंतरिक्ष संबंधी काम रोके

मॉस्को । यूक्रेन से युद्ध करने पर यूरोपीय देशों ने रूस पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। इससे नाराज रूस ने सख्त कदम उठाकर फ्रेंच गुएना से अंतरिक्ष संबंधी सभी कार्यक्रमों को रोक दिया है। कोरोऊ कॉस्मोड्रोम से लांच रोक दिए गए हैं। सभी तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को वापस बुला लिया गया है। रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस के प्रमुख डिमित्री रोगोजिन ने कहा कि हमारे ऊपर लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से हम यूरोपीय साझेदारों के साथ अपने सारे स्पेस कार्यक्रम रोक रहे हैं। कोरोऊ कॉस्मोड्रोम से अब कोई लॉन्चिंग नहीं होगी। न ही फ्रेंच गुएना में कोई तकनीकी कर्मचारी रहेगा। डिमित्री ने कहा कि रूस फ्रेंच गुएना से सारे स्पेस लॉन्चिंग रद्द कर अपने सारे कर्मचारियों को वापस बुला रहा है। इससे पहले भी स्पेस स्टेशन को लेकर अमेरिका और रूस में तनातनी और बयानबाजी हो चुकी है। नासा ने एक दिन पहले ही कहा था कि वह स्पेस स्टेशन और ऑर्बिटल लांच को लेकर रूस के साथ काम करता रहेगा। इससे पहले रोगोजिन ने कई ट्वीट करके अमेरिका से कहा कि यदि आप आईएसएस पर हमारा सहयोग बंद रकते हैं, तब फिर स्पेस स्टेशन को अनियंत्रित होने और अमेरिका या यूरोप पर कहीं गिरने से कौन बचाएगा। डिमित्री ने कहा था कि ये भी आशंका है कि ये 500 टन का ढांचा भारत या चीन पर गिर जाए। क्या आप उन्हें इस तरह से डराना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि आईएसएस रूस के ऊपर से नहीं उड़ता इसलिए जोखिम पूरी तरह आपका है। क्या आप उस उठाने को तैयार हैं। डिमित्री के ऑनलाइन भावनाओं के बाद नासा ने यह बयान दिया कि अमेरिका और रूस के रिश्ते स्पेस स्टेशन को लेकर खराब नहीं हो रहे हैं। वहां मिलकर काम करने वाले हैं।

पोलैंड-हंगरी से लगी यूक्रेन सीमा पर -7 डिग्री में हजारों भारतीय छात्र फंसे, सैनिकों ने नहीं दी निकलने की अनुमति

कीव ।

यूक्रेन से दो फ्लाइटें भारत आ चुकी हैं, जबकि तीसरी रवाना हो गई है। अब भी यूक्रेन में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र और अन्य लोग फंसे हुए हैं। भारत ने वहां फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए शनिवार को अभियान शुरू किया है। पहली निकासी उड़ान एआई1944 से बुखारेस्ट से 219 लोगों को मुंबई लाया गया। एअर इंडिया की दूसरी निकासी उड़ान यूक्रेन में फंसे 250 भारतीय नागरिकों को लेकर रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से रविवार तड़के दिल्ली हवाईअड्डे पर पहुंची। इस बीच बुडापेस्ट (हंगरी) से 240 भारतीय नागरिकों को लेकर ऑपरेशन गंगा के तहत तीसरी उड़ान दिल्ली के लिए रवाना हुई है। यूक्रेन की पोलैंड और हंगरी से लगी सीमा पर अभी भी सैकड़ों भारतीय फंसे हुए हैं। एक भारतीय छात्र ने बताया कि यहां तापमान-7 डिग्री के करीब है। मुझे नहीं पता कि क्या करना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के बीच यूक्रेन में कई भारतीयों के पास शेल्टर, भोजन और पैसे नहीं हैं। उनके मोबाइल फोन भी बंद होने के कगार पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के गॉर्ड्स भारतीयों को चेक प्वॉइंट पार करने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। गार्ड्स की ओर से छात्रों से बॉर्डर पार कराने के लिए घूस मांगने की शिकायतें भी आई हैं। शुभम नाम के एक छात्र ने कहा कि हम बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। हम बंदूक की नोक पर हैं। हमें यहां वीडियो बनाने के लिए मना किया गया है। एक अन्य छात्र ने कहा कि एंबेसी की ओर से जो एडवाइजरी जारी की गई उसको फॉलो करते हुए हम सभी पोलेंड बॉर्डर पर पहुंचे हैं। यहां हमें रोक लिया गया है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने कहा कि उन भारतीयों को निकालना मुश्किल हो रहा है, जो बिना सूचना दिए सीमा जांच चौकियों पर पहुंच गए हैं। भारतीय दूतावास ने कहा कि कफ पश्चिमी यक्रेन के शहरों में रह रहे लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल में है और उनके पास बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय दूतावास ने कहा कि कफ पश्चिमी यक्रेन के शहरों में रह रहे लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल में है और उनके पास बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय दूतावास ने कहा कि कफ पश्चिमी यक्रेन के शहरों में रह रहे लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल में है और उनके पास बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उसने कहा कृपया ध्यान दें कि पानी, भोजन, आवास और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच के साथ यूक्रेन के पश्चिमी शहरों में रहना स्थिति से पूरी तरह अवगत हुए बिना सीमा जांच चौकियों पर पहुंचने के मुकाबले अधिक सुरक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीएमसी सांसद ने लांघी भाषा की मर्यादा, राज्यपाल को कहा शैतान

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार और राजभवन के बीच तकरार कोई नई बात नहीं है लेकिन अब सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद व देश के जाने-माने पूर्व फुटबालर रहे प्रसून बनर्जी ने रविवार को राज्य के संवैधानिक प्रमुख यानी राज्यपाल जगदीप धनखड़ के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें शैतान तक बता दिया है। यही नहीं हावड़ा से सांसद बनर्जी ने राज्यपाल को अपने संसदीय क्षेत्र हावड़ा में नहीं घुसने देने की भी धमकी दी है। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी है कि यदि एक महीने के भीतर धनखड़ को बंगाल के राज्यपाल पद से नहीं हटाया जाता है तो वह बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। बनर्जी ने कहा कि वे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राजभवन के बाहर धरने पर बैठने से लेकर ट्रेन का चक्का तक जाम कर देंगे। सड़क पर उतर कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। हावड़ा नगर निगम से बाली नगर पालिका को अलग करने संबंधित विधानसभा से पारित बिल को राज्यपाल द्वारा लंबित रखे जाने से चुनाव में हो रही देरी के खिलाफ टीएमसी जय हिंद वाहिनी की ओर से हावड़ा के दासनगर में आयोजित विरोध सभा को बनर्जी संबोधित कर रहे थे। उन्होंने धनखड़ पर करारा हमला बोलते हुए यह भी कहा कि वे राज्यपाल के नाम पर कलंक हैं। वह भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं और बहुत बड़ा बदमाश व शैतान हैं। उनका नाम तक लेने में मुझे शर्म आती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यपाल यदि आगे हावड़ा में कहीं आते हैं तो वह उन्हें घुसने नहीं देंगे और खुद आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। बनर्जी यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि देश में ऐसे राज्यपाल की कोई जरूरत नहीं है। इस पद को खत्म किया जाना चाहिए। तृणमूल सांसद ने राज्यपाल की इस बात की भी कड़ी आलोचना की जिसमें सात मार्च को रात दो बजे से विधानसभा का बजट सत्र उन्होंने बुलाया है। बनर्जी ने कहा कि कैबिनेट के नोट में गलती से दो पीएम की जगह दो एम टाइप हो गया था। इस गलती को नजरअंदाज करने की बजाय राज्यपाल ने जानबूझकर राज्य सरकार को नीचा दिखाने के लिए रात्रि दो बजे से ही विधानसभा का सत्र बुला लिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से राज्यपाल लगातार काम कर रहे हैं बंगाल के लोग व इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। दूसरी ओर, राज्यपाल धनखड़ ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला जारी रखते हुए कहा है कि वह कानून को अपनी मुट्ठी में लेकर चलती हैं। एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि संविधान में कानून सबके लिए बराबर है, लेकिन बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री इसे नहीं मानती हैं। वह कानून को अपनी मुट्ठी में लेकर चलती है। उन्होंने राज्य सरकार व तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लगातार उनका (राज्यपाल का) अपमान करने और असंवैधानिक कार्य करने का आरोप लगाया। राज्यपाल ने विधानसभा का सत्र रात्रि दो बजे से बुलाने के फैसले पर भी जवाब देते हुए कहा कि यह उनका नहीं बल्कि राज्य कैबिनेट का फैसला है। उन्होंने वही किया है जो कैबिनेट द्वारा सिफारिश की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस की अंतिम वापसी का फेरा लगाने आए थे : जीतु वाघाणी

अहमदाबाद । गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने कांग्रेस की प्रभात फेरी के आयोजन पर कहा कि 2022 में कांग्रेस की रिटर्न फेरी तय है। राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस की अंतिम वापसी का फेरा लगाने आए थे। बता दें कि भगवान श्रीकृष्ण की नगरी देवभूमि द्वारका कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर के दूसरे दिन राहुल गांधी ने शिरकत की और महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था समेत आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी नेताओं को मार्गदर्शन दिया। भाजपा की करतूतों का पर्दाफाश करने और लोगों को जागृत करने के लिए कांग्रेस ने प्रभात फेरी अभियान चलाने का आयोजन किया है। कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए प्रभात फेरी की रणनीति बनाई है, ताकि रातों रात धनवान बनने वाले भाजपा नेताओं का पर्दाफाश किया जा सके। कांग्रेस की प्रभात फेरी और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जीतु वाघाणी ने कहा कि जब चुनाव आते हैं तब कांग्रेस नए नए अभियान शुरू कर देती है। लेकिन 2022 में कांग्रेस की रिटर्न फेरी पक्की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस की अंतिम रिटर्न फेरी करने आए थे। आगामी विधानसभा चुनाव में भी गुजरात की जनता ने भाजपा विजय बनाने का मन बना लिया है। राज्य में 28 वर्ष से विकास को जनता ने आशीर्वाद दिया है। देश में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का गौरवशाली नेतृत्व है। वाघाणी ने कहा कि कांग्रेस हर बार चुनाव आने पर लोगों को बहलाने का प्रयास करती है और हर बार उसे मुंह की खानी पड़ती है। राहुल गांधी आते रहते हैं और फिर एक बार कांग्रेस की रिटर्न फेरी करने आए थे।

तीन जुलाई को होगी जेईई एडवांस परीक्षा, आठ जून से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

लुधियाना । इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) मुम्बई द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार इस वर्ष जेईई एडवांस की परीक्षा 3 जुलाई को होगी जबकि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 8 जून से शुरू होगी। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 जून है। शेड्यूल के मुताबिक जेईई एडवांस परीक्षा में 2 पेपर होंगे। पेपर-1 सुबह 9 से 12 और पेपर-2 बाद दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परिणाम 18 जुलाई को घोषित किया जाएगा। बता दें कि जेईई एडवांस परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले छात्र आईआईटी संस्थानों में इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन ले सकेंगे। सरकार द्वारा इस बार भी जेईई एडवांस परीक्षा देने वाले छात्रों को बड़ी राहत दी है। एडवांस में सफल छात्र इस बार अगर बोर्ड में 75 प्रतिशत मार्क्स या टॉप-20 परसेंटाइल में शामिल नहीं भी हैं, तो भी वे अपना रजिस्ट्रेशन इस बार 2022-23 सत्र में आईआईटी में करवा सकते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए जेईई परीक्षा पात्रता में न्यूनतम 75 प्रतिशत अंकों की शर्त से छूट देने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के आदेश के बाद जेईई एडवांस की तिथि की घोषणा के समय कोविड-19 स्थिति को देखते हुए यह छूट देने का ऐलान कर दिया गया। पहले कैंडिडेट्स को कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में न्यूनतम 75 प्रतिशत स्कोर करने की आवश्यकता होती थी। वैसे पिछले वर्ष 2020 और 2021 में भी ज्वाइंट इंप्लीमेंटेशन कमेटी (जेआईसी) ने कोविड-19 के कारण 75 प्रतिशत मार्क्स से छूट दे दी गई थी, इसलिए इस बार भी एडवांस सफल छात्रों को 12वीं क्लास में मार्क्स के कुछ नियमों को आईआईटी रजिस्ट्रेशन से हटा दिया है। इस बार आईआईटी में रजिस्ट्रेशन के लिए केवल 12वीं पास होना ही काफी होगा। जेईई एडवांस सफल छात्रों को 12वीं क्लास में कम-से-कम 75 प्रतिशत मार्क्स या बोर्ड के टॉप-20 परसेंटाइल में शामिल होना होता था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी अब जल्द ही जेईई मेन की तिथि जारी कर देगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का ट्विटर अकाउंट हैक

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का रविवार को ट्विटर अकाउंट हो गया। हैकर ने अकाउंट हैक करने बाद सॉरी भी लिखा। हालांकि अब उनका ट्विटर अकाउंट बहाल हो गया है। जेपी नड्डा की ओर से कहा गया है कि हम सही कारण का पता लगाने के लिए ट्विटर से बात कर रहे हैं। इससे पहले जेपी नड्डा की ओर से यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर ट्वीट किया गया था। सुबह किए गए ट्वीट में जेपी नड्डा ने लिखा आज उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण की सभी 61 सीटों के मतदाताओं से मेरी अपील है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें तथा राज्य में एक सशक्त सरकार बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं। पहली बार वोट कर रहे मतदाताओं से आग्रह है कि वे लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए आगे आएं।

रूस-यूक्रेन जंग से खाद्य तेल सूरजमुखी का आयात प्रभावित

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन जंग की मार खाद्य तेल सूरजमुखी पर भी पड़ी है। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष के कारण सूरजमुखी तेल का आयात प्रभावित हो रहा है, और वह घरेलू आपूर्ति बनाए रखने और खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए दूसरे देशों से खाद्य तेल आपूर्ति के विकल्प तलाश रहा है। कारोबारियों को उम्मीद है कि खाद्य तेल की कीमतें स्थिर बनी रहेंगी, क्योंकि अगले महीने से घरेलू बाजार में सरसों तेल की आपूर्ति में सुधार होगा। सरसों की फसल की कटाई शुरू हो चुकी है। वैश्विक कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण भारत के खाद्य तेलों का कुल आयात 2020-21 के विपणन वर्ष (नवंबर से अक्टूबर) में पिछले वर्ष के मुकाबले 72,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.17 लाख करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, मात्रा के लिहाज से आयात 130 लाख टन पर स्थिर रहा। एसईए के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने बताया, 'रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण सूरजमुखी तेल की आपूर्ति बाधित हो गई है। भारत सालाना 25 लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात करता है, जिसमें से 70 फीसदी यूक्रेन से, 20 फीसदी रूस से और 10 फीसदी अर्जेंटीना से आता है।' उन्होंने कहा कि मासिक आधार पर लगभग दो लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात किया जाता है। मेहता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पाम तेल और सोयाबीन तेल की कीमतों में तेजी का दबाव है। उन्होंने कहा, 'चूंकि खाद्य तेल आयात पर हमारी निर्भरता 65 प्रतिशत है,।

त्रिपुरा में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़े, चले लात घूंसे

अगरतला में धारा 144 लगी

अगरतला ।

पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी पार्टी कांग्रेस के कार्यकर्त्ता शनिवार को आपस में भिड़ गए। इस घटना के बाद त्रिपुरा प्रशासन ने अगरतला के कुछ हिस्सों में धारा 144 के तहत प्रतिबंध लगा दिया है। झड़प की घटना के बाद मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के विधानसभा क्षेत्र बनमालीपुर में भारी सुरक्षा देखी गई है। झड़प में कांग्रेस नेता सुदीप रॉय बर्मन सहित कई पार्टी कार्यकर्ता घायल हुए हैं। बर्मन हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए थे, उन्होंने घटना के बाद खुद के घायल होने पर गुस्सा जताया। झड़प में भाजपा का एक स्थानीय पार्टी कार्यालय भी मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। भाजपा के पूर्व मंत्री और विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने झड़प में चोटिल होने पर पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। हालांकि किसी भी पक्ष ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने यह पता लगाने के लिए अपनी जांच शुरू कर दी है कि झड़प कैसे शुरू हुई और इसके लिए जिम्मेदार लोग कौन हैं। हमें अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है लेकिन फिर भी हम अपने स्तर पर जांच कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए रात भर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए रात भर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। राज्य प्रशासन ने अगरतला के कुछ स्थानों पर प्रतिबंध लगा दिया जिससे इन क्षेत्रों में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रतिबंध रात 10: 30 बजे से सुबह 5 बजे तक लगाए गए थे।

अनुष्का शर्मा को चर्राया चित्रकारी का शौक, फिल्म के सेट पर बनाया मास्टरपीस

नई दिल्ली । बॉलीवुड अदाकारा अनुष्का शर्मा अब चित्रकारी में हाथ आजमाने की कोशिश कर रही है। उनकी पहल तो अच्छी थी पर नतीजा कैसा होगा ये जानकर आपकी हंसी छूट जाएगी। उन्होंने इसका वीडियो शेयर किया है। अनुष्का ने अपनी अपकमिंग फिल्म चकड़ा एक्सप्रेस के सेट पर पेंटिंग का मन बनाया। उन्होंने पेंट ब्रश उठाई और सेट की दीवारों को पेंट करना चालू किया। अपनी कलाकारी दिखाते हुए अनुष्का ने सेट से एक वीडियो शेयर किया है जहां वे पेंट करने में मशगूल नजर आ रही हैं। दूर से देखकर तो ऐसा ही लगता है कि अनुष्का मार्हिर पेंटर हैं और उन्होंने जरूर कुछ मास्टपीस बनाया होगा। पर ज्यादा उम्मीदें करना बेकार है। अनुष्का ने हंसते हुए अपनी पेंटिंग का फाइनल रिजल्ट दिखाया। उन्होंने एक दिल का शेप बनाया था जिसमें तीर का निशान था, एक स्माइली फेस और पैक अप लिखा वर्ड बनाया था। सभी अलग अलग कलर्स में बने थे। खुद अनुष्का ने भी अपनी पेंटिंग का मजाक उड़ाते हुए सारकास्टिक अंदाज में लिखा- जब वे आपको सेट की दीवारों पर पेंट करने की इजाजत देते हैं और आप मास्टरपीस बना डालते हैं (जूरी अभी डिबेट करने बाहर गई है।) वर्कफ्रंट पर अनुष्का शर्मा जल्द ही फिल्म चकड़ा एक्सप्रेस से कमबैक करने को तैयार हैं। फिल्म में अनुष्का क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के रोल में नजर आएंगी। इस किरदार के लिए एक्ट्रेस खूब पसीने बहा रही हैं।

कोविड पाबंदी से मुक्त हुई दिल्ली मेट्रो: सोमवार से खड़े होकर कर लोग सकेंगे यात्रा

नई दिल्ली । कोरोना के घातक वायरस के कम होते संक्रमण के चलते सभी पाबंदियों में ढील देने के साथ ही, दिल्ली मेट्रो ने सोमवार से ट्रेन में यात्रियों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सोमवार से सभी प्रतिबंध हटा दिए जाएं, मास्क नहीं पहनने पर जुर्माने की राशि दो हजार रुपये से घटाकर 500 रुपये कर दी जाये और दिल्ली के स्कूलों में एक अप्रैल से नियमित कक्षाएं बहाल कर दी जाएं। बैठक की अध्यक्षता उपराज्यपाल अनिल बैजल ने की और उसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए। दिल्ली मेट्रो ने कहा कि डीडीएमए के ताजा दिशानिर्देशों के आलोक में सोमवार से दिल्ली मेट्रो की सेवाएं संशोधित नियमों के अनुसार होंगी। यात्री अब मेट्रो में बिना किसी प्रतिबंध के यात्रा कर सकेंगे और पूरे दिन मेट्रो स्टेशनों के सभी गेट खुले रहेंगे।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता का अयोजन किया गया

अहमदाबाद ।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा अहमदाबाद मण्डल के एडीएसए क्रिकेट ग्राउन्ड साबरमती में खेलकूद प्रतियोगिता जोश-2022 का आयोजन के साथ ही पुरस्कार वितरण समारोह एवं समापन किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा श्रीमति गीतिका जैन ने बताया कि जोश-2022 खेलकूद प्रतियोगिता जिसमें दिनांक 19 फरवरी 2022 को ओफिसर्स क्लब गांधीग्राम में और 26 फरवरी 2022 को एडीएसए क्रिकेट ग्राउन्ड साबरमती में विभिन्न 10 तरह की इवेंटस में 350 से अधिक रेलवे कर्मचारियों के 6 से 17 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया। श्रीमति जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन की शुरुआत में हमने यह नहीं सोचा था कि यह कार्यक्रम इतना सफल रहेगा। हमारा प्रयास बस कुछ बेहतर कर दिखाने का था। आप सभी के साथ, आप के विश्वास और हमारे संगठन के सदस्यों के अथक प्रयास से यह कार्यक्रम सफल हुआ। कोविड के नकारात्मक माहौल के बाद इस तरह के कार्यक्रम ना केवल उत्साह का संचार करते हैं बल्कि हमारे बच्चों में पॉजिटीव एनर्जी भी पैदा करते हैं। इस कार्यक्रम के उत्साह को देखते हुए आगे भी इस तरह के इवेंट कराते रहेंगे। इस प्रतियोगिता में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस,कैरम, दौड़, लॉन्ग जंप, बनाना दौड़, नींबू दौड़ तथा बौरा दौड़ इत्यादि खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे बच्चों को श्रीमति जैन द्वारा मेडल, ट्रॉफी एवं

प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद की अध्यक्षा के साथ संगठन की सदस्याएं, रेलवे अधिकारी, कर्मचारी तथा बच्चों के पैरेंट्स उपस्थित रहे।

यूक्रेन संकट से पंजाब का निर्यात उद्योग भी हो रहा प्रभावित

जालंधर ।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के चलते पंजाब से निर्यात भी प्रभावित हो रहा है। विभिन्न यूरोपीय देशों या यूक्रेन जैसे रूसी देशों के लिए बाध्य कंटेनर फंसे हुए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि संबंधित मालवाहक जहाजों की सेवा प्रभावित है। यूक्रेन में युद्ध से पहले समुद्र में मौजूद मालवाहक जहाजों को डायवर्ट कर दिया गया है। जो लोग नया माल लेकर निकलने वाले थे उनका दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इससे रेलवे के पास आने वाले नए कंटेनरों की संख्या में कमी आई है, जबकि कुछ कंटेनर गुजरात बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। इसका असर रेलवे पर भी पड़ना शुरू हो गया है। जालंधर के लिद्दड़ा गांव के पास भी कंटेनर लगाए गए हैं। पंजाब से कंटेनर में माल भर कर रेलवे के जरिए गुजरात बंदरगाह भेजा जाता है। कंटेनर में चावल, पेपर, हैड टूल, हौजरी आदि माल पंजाब से जाता है। इसके अलावा हिमाचल के बद्दी से दवाइयां भी भेजी जातीं हैं। कंटेनर में माल भर कर ट्रेनों के जरिए कंटेनर बंदरगाह पर कस्टम के सुपुर्द कर दिए जाते हैं। जहाजों द्वारा कंटेनरों को विभिन्न देशों में भेज दिया जाता है। रेल किराए की बात करें तो एक ट्रेन का किराया 25 लाख से ज्यादा होता है। एक ट्रेन में तकरीबन 90 कंटेनर लोड जाते हैं। इस सम्बन्ध में फिरोजरपुर के डीओएम गुरशरण पाठक ने बताया कि हर महीने करीब 7 हजार कंटेनर बंदरगाह पर पंजाब से भेजे जाते हैं।

हवा में दुपट्टा लहराकर उर्फी जावेद ने किया जादू

नई दिल्ली ।

उर्फी जावेद! नाम ही काफी है. सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकीं उर्फी जावेद का नाम बोलने लगा है। मॉर्डन दौर में शायद ही कोई होगा, जो इस नाम से वाकिफ न हो। अब क्या करें उर्फी काम भी तो कुछ ऐसा ही करती हैं। कभी बिंदास होकर बोलती दिखती हैं, तो कभी अपने फैशन सेंस से सबकी बोलती बंद कर देती हैं। बिग बॉस ओटीटी से पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली उर्फी हमेशा ही अपने आउटफिट से लोगों को सरप्राइज करती आई हैं। वह इतनी सरप्राइजिंग हैं कि कोई उनके बारे में किसी तरह की भविष्यवाणी नहीं कर सकता है। इस बार तो उर्फी ने गजब ही कर दिया है। मतलब देसी अवतार में वह क्या कमाल दिख रही हैं। सच कहें तो उर्फी उम्मीद से ज्यादा खिली-खिली दिख रही हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि हम अचानक उर्फी जावेद की इतनी तारीफ क्यों कर रहे हैं? तो जनाब जब आप भी उनकी लेटेस्ट इंस्टाग्राम रील देखेंगे, तो तारीफ करते नहीं थकेंगे. उर्फी जावेद ने इमरान हाशमी के गाने आपकी कशिश पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में उर्फी ग्रीन कलर के सूट में कयामत ढाती दिख रही हैं। हवा में लहराता दुपट्टा, कानों में झुमके और उर्फी की जुल्फें की देख कर उनकी तारीफ में एक किताब उर्फी को पसंद करने वाले लोग हैं, तो न पसंद करने वाली भी है, जिस वजह से वो अकसर ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। खैर, दुनिया उनके बारे में कुछ भी कहे, कुछ सोचे पर उर्फी को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उर्फी खुद में बिजी और मस्त रहती हैं। शायद यही वजह है कि वह प्रोफेशनल लाइफ में काफी आगे बढ़ रही हैं। जहां जाती हैं, स्पॉट लाइट उन पर आ जाती है। अब तो वह म्यूजिक वीडियो में भी एंट्री ले चुकी हैं। मतलब उर्फी एकदम परफेक्ट ट्रैक पर हैं।

पूरी दुनिया भुगत रही रूस-यूक्रेन संकट का खामियाजा, बातचीत से संकट का समाधान निकालें दोनों देश : मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 86वें अंक में कहा कि पूरी दुनिया इस समय संकट के दौर से गुजर रही है। यूक्रेन और रूस के विवाद ने किसी न किसी तरह से पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। उन्होंने दोनों देशों का आह्वान किया कि वे बातचीत के माध्यम से विवाद खत्म करें और जल्द से जल्द शांति के मार्ग पर वापस लौटें। पीएम मोदी ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच भीषण जंग जारी है। हजारों भारतीय यूक्रेन में फंसे हुए हैं और मुश्किल हालात में अपना जीवन गुजार रहे हैं। भारत सरकार की पहली प्राथमिकता वहां मौजूद भारतीयों को सुरक्षित वापस लाना है। इसके लिए भारत ने विशेष विमानों के जरिए अपनी पहल भी शुरू कर दी है। अब तक यूक्रेन में फंसे सैकड़ों लोगों को स्वदेश वापस लाया जा चुका है। अन्य यों को वहां से लाने की भी पूरी तैयारी है। इस बीच पीएम मोदी ने दोनों पक्षों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच का विवाद बातचीत के जरिए ही सुलझाना जाना चाहिए। आने वाले समय में देशवासी होली के पर्व के लिए जुट जाएंगे। पीएम मोदी ने शुभकामनाएं देने के साथ ही इस त्योहार को सतर्कता से मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस मौके पर लोग अधिक से अधिक स्वदेशी चीजों को खरीदें और उनका इस्तेमाल करें। अपने इस एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा इस माह की शुरुआत में आयुष स्टार्ट अप चैलेंज शुरू हुआ। इसका लक्ष्य स्टार्ट अप्स को पहचान कर उन्हें सपोर्ट करना है। उन्होंने इसमें हिस्सा लेने की सभी से अपील की है। उन्होंने कहा पिछले सात सालों में देश में आयुर्वेद के प्रचार प्रसार पर बहुत ध्यान दिया गया। आयुष मंत्रालय का गठन से चिकित्सा और स्वास्थ्य से जुड़े हमारे पारंपरिक तरीकों को लोकप्रिय बनाने के संकल्प को और अधिक मजबूती मिली है। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि बीते कुछ समय में आयुर्वेद के क्षेत्र में भी नए स्टार्टअप सामने आए हैं। उन्होंने तंजानिया के भाई बहन किलि पाल और नीमा का जिक्र करते हुए कहा कि इनका जिक्र सभी ने सुना होगा। उनके अंदर भारतीय संगीत के लिए जबरदस्त जुनून है। अपनी इसी दीवानगी की वजह से वह इतने लोकप्रिय हैं। उनके लिप सिंक के तरीके से पता चलता है कि वह इसके लिए कितनी मेहनत करते हैं। कुछ दिन पहले हमारा राष्ट्रगान जन गण मन गाते हुए उनका एक वीडियो काफी लोकप्रिय हुआ था। उन्होंने लता जी का गाना गाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी थी। सन 2019 में हिन्दी दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में तीसरे क्रमांक पर थी।

इस बात पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। भाषा केवल अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं है, बल्कि भाषा, समाज की संस्कृति और विरासत को भी सहेजने का काम करती है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मातृभाषा दिवस मनाया। उन्होंने कहा कि जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। जैसे हम अपनी मां को नहीं छोड़ सकते वैसे ही अपनी मातृभाषा को भी नहीं छोड़ सकते।

7 माह के सबसे निचले स्तर पर पहुंची इक्विटी मार्केट-कैप, टॉप-10 कंपनियों को 3,33,307.62 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली । फरवरी में इक्विटी बाजार पूंजीकरण सात महीने के निचले स्तर पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों को पिछले सप्ताह बाजार मूल्यांकन में 3,33,307.62 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। फरवरी 2022 में कुल इक्विटी बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) 2,49,97,053.39 करोड़ रुपए रहा। पिछला निचला स्तर जुलाई 2021 में था, जब बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का एम-कैप 2,35,49,748.9 करोड़ रुपए था। बीते महीने जनवरी में एम-कैप 2,64,41,207.18 करोड़ रुपए रहा था। सप्ताह के दौरान, इक्विटी एम-कैप सोमवार को 2,57,39,712.95 करोड़ रुपये था और गुरुवार को सबसे कम 2,42,24,179.79 करोड़ रुपए था। यह वह दिन था जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में सैन्य अभियान की घोषणा की थी। साप्ताहिक आधार पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (रिल) का बाजार मूल्यांकन 94,828.02 करोड़ रुपए गिरकर 15,45,044.14 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 1,01,760.91 करोड़ रुपए घटकर 13,01,955.11 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 31,597.65 करोड़ रुपए घटकर 8,06,931.95 करोड़ रुपए हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 5,501.34 करोड़ रुपए घटकर 7,12,443.09 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 13,240.66 करोड़ रुपये घटकर 5,07,414.1 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 6,929.03 करोड़ रुपए गिरकर 4,35,233.9 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का बाजार पूंजीकरण 33,234.97 करोड़ रुपए गिरकर 5,09,990.53 करोड़ रुपए पर आ गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

28 फरवरी : नेशनल साइंस डे

भारत के महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन के नाम है राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

1986 से भारत में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (नेशनल साइंस डे) मनाया जाता है। प्रोफेसर सीव्री.रमन (चंद्रशेखर वेंकटरमन) ने 1928 में कोलकाता में इस दिन एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी, जो 'रमन प्रभाव' के रूप में प्रसिद्ध है।

खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई थी। इस कारण 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्य के लिए उनको 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना, विज्ञान के क्षेत्र में नए प्रयोगों के लिए प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। इस दिन, विज्ञान संस्थान, प्रयोगशाला, विज्ञान अकादमी, स्कूल, कॉलेज तथा प्रशिक्षण संस्थानों में वैज्ञानिक गतिविधियों से संबंधित प्रोग्रामों का आयोजन किया जाता हैं।

रसायनों की आणविक संरचना के अध्ययन में 'रमन प्रभाव' एक प्रभावी साधन है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस देश में विज्ञान के निरंतर उन्नति का आह्वान करता है, परमाणु ऊर्जा को लेकर लोगों के मन में कायम भ्रातियों को दूर करना इसका मुख्य उद्देश्य है तथा इसके विकास के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं।

रमन प्रभाव में एकल तरंग- दैध्य प्रकाश (मोनोक्रोमेटिक) किरणें, जब किसी पारदर्शक माध्यम ठोस, द्रव या गैस से गुजरती है तब इसकी छितराई किरणों का अध्ययन करने पर पता चला कि मूल प्रकाश की किरणों के अलावा स्थिर अंतर पर बहुत कमजोर तीव्रता की किरणें भी उपस्थित होती हैं। इन्हीं किरणों को रमन-किरण भी कहते हैं। भौतिक शास्त्री सर सीव्री.रमन एक ऐसे महान आविष्कारक थे, जो न सिर्फ लाखों भारतीयों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

यह किरणें माध्यम के कणों के कंपन एवं घूर्णन की वजह से मूल प्रकाश की किरणों में ऊर्जा में लाभ या हानि के होने से उत्पन्न होती हैं। इतना ही नहीं इसका अनुसंधान की अन्य शाखाओं, औषधि विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान तथा दूरसंचार के क्षेत्र में भी बहुत महत्व है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का उद्देश्य दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अनुप्रयोग के महत्व के संदेशों को लोगों के बीच फैलाना, मानव कल्याण के लिए विज्ञान के क्षेत्र की सभी गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करना तथा विज्ञान के विकास के लिए इन मुद्दों पर चर्चा करके नई प्रौद्योगिकी को लागू करना। विज्ञान और तकनीक को प्रसिद्ध करने के साथ ही देश के नागरिकों को इस क्षेत्र मौका देकर नई उंचाइयों को हासिल करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

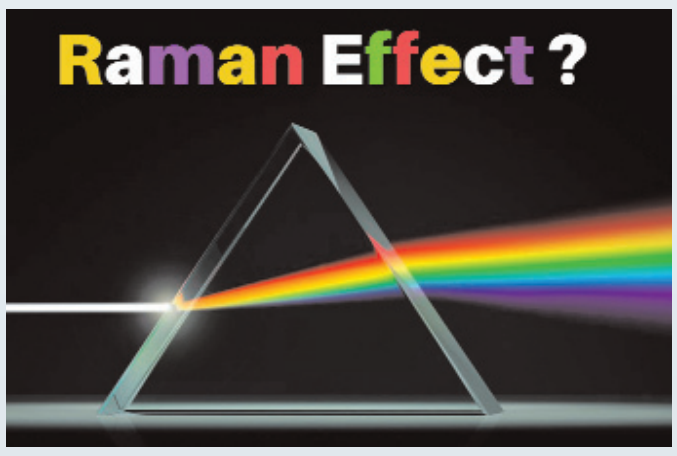

सीवी रमन और विज्ञान दिवस

हर रोज ना जाने हम विज्ञान की मदद से बनाई गई कितनी तकनीकों और चीजों का इस्तेमाल करते हैं। इतना ही नहीं इसके जरिए ही हम नामुमकिन चीजों को मुमकिन बनाने में कामयाब भी रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही तो हम अंतरिक्ष में पहुंचने से लेकर रोबोट, कंप्यूटर जैसी चीजे बनाने में सफल हो पाए हैं। 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन ने भारत सरकार को 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए कहा। भारतीय सरकार ने 1986 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में स्वीकार किया और घोषित किया। संपूर्ण राष्ट्र इस अवसर पर सभी वैज्ञानिकों को उनके उल्लेखनीय योगदान और समर्पण के लिए धन्यवाद देता है। दिन कई युवा दिमागों को आकर्षित करता है और उन्हें विज्ञान को अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करता है। यह विज्ञान के क्षेत्र में देश की क्षमता को प्रदर्शित करके मनाया जाता है। विज्ञान ने समाज को बदलने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दिन की घटनाएं विज्ञान के महत्व को याद दिलाती हैं; इस प्रकार सभी उम्र के लोगों को विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रेरित करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर लाता है। ऐसी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है और लोगों को आपसी लाभ के लिए विज्ञान बिरादरी के साथ बातचीत करनी होती है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस लोगों के बीच विज्ञान के महत्व और इसके अनुप्रयोग के संदेश को फैलाने के लिए मनाया जाता है। विज्ञान ने मानवता के कल्याण में बहुत योगदान दिया है और विकास की गति को तेज करने के लिए इस दिन को मनाया जाता है।

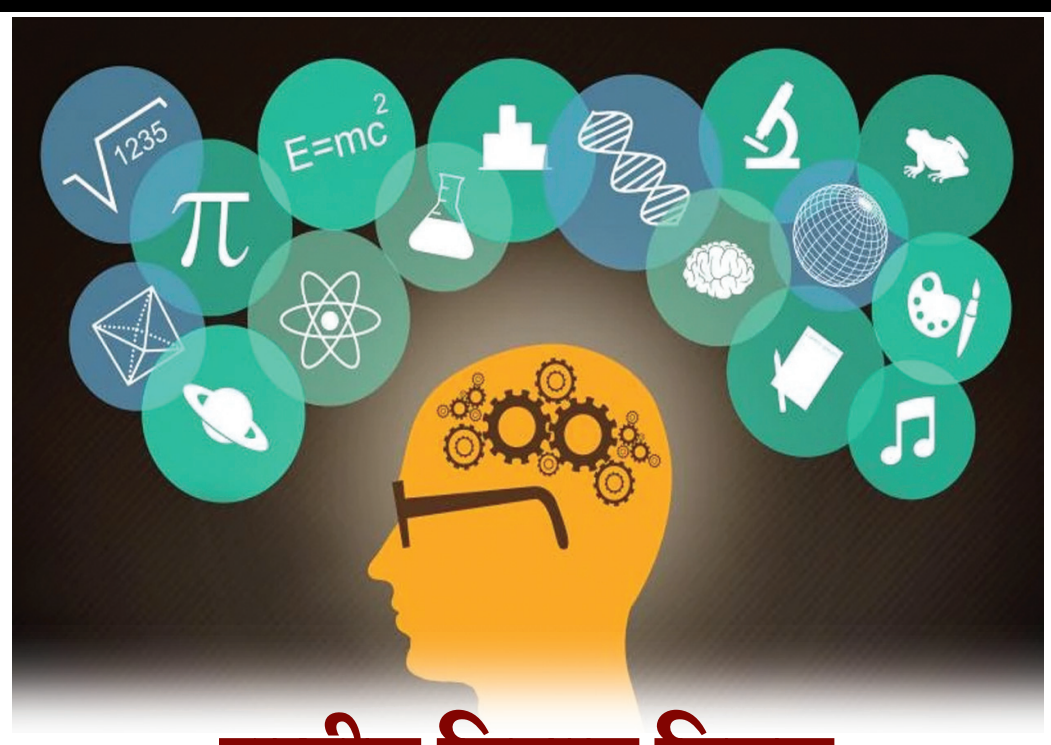

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की लोकप्रियता बढ़ाने का दिन

वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के महत्व के बारे में संदेश फैलाने, मानव कल्याण के लिए विज्ञान के क्षेत्र में सभी गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्यों को लेकर संपूर्ण देश में 28 फरवरी 1987 को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाने की परंपरा का शुभारंभ हुआ था।

दरअसल, इसी 28 फरवरी के दिन भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में सर सीवी रमन यानी चंद्रशेखर वेंकटरमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज की थी जिसने पूरे विज्ञान जगत में तहलका मचा दिया था। इस खोज के लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। ज्ञातव्य रहे कि विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले वेंकटरमन पहले एशियाई थे। इस खुशी में विज्ञान के विकास को लेकर चिंतन, मनन और मंथन करने के लिए 1986 में नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन ने भारत सरकार को 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में नामित करने के लिए कहा।

वेंकटरमन के महान वैज्ञानिक बनने के पीछे उनकी कभी न शांत होने वाली जिज्ञासु प्रवृत्ति और प्रोफेसर पिता की छत्रछाया व संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान था। जिस उम्र में बच्चे हंसी-मजाक व खेलकूद में अपना ज्यादातर समय जाया करते हैं, उस समय में वेंकटरमन जैसा बालक पूर्णतः गंभीरता से वैज्ञानिक खोज में तल्लीन रहता था। वे कहीं भी विज्ञान प्रयोगशाला व अन्वेषण संस्था का बोर्ड देखते तो दूसरे दिन उसमें खोज करने के लिए पहुंच जाते थे। यह कहें कि उन्होंने विज्ञान के लिए ही जन्म लिया था।

बचपन का एक प्रश्न 'समुद्र नीला क्यों है' ने उनका पीछा बड़े होने तक नहीं छोड़ा, तो वेंकटरमन ने भी अपनी हार नहीं मानी। आखिर एक दिन नीले समंदर का रहस्योद्घाटन करके ही उन्होंने दम लिया और अपनी इस खोज से समूचे वैज्ञानिक जगत को आश्चर्यचकित कर दिया। उनकी इस महान खोज ने विज्ञान के कई ऐसे इन्हें रहस्यों की गुत्थी भी सुलझा दी, जो इससे पहले शायद सुलझ पानी संभव नहीं थी। निःसंदेह, इस महान खोज के

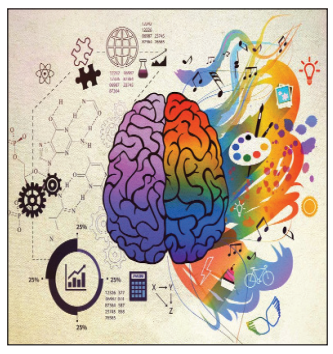

पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष ही था जिसने उन्हें निरंतर अग्रसित किया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर भारत लौटने पर वेंकटरमन ने कहा कि 'मेरे जैसे न जाने कितने रमन सुविधाओं और अवसर के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं। यह मात्र उनका ही नहीं, बल्कि पूरे भारत देश का नुकसान है। हमें इसे रोकना होगा।'

आजादी के इतने सालों बाद भी यह विज्ञान की प्रगति को लेकर मूल प्रश्न बनकर खड़ा है। 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' की थीम 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' तो तब ही सफल हो पाएगी, जब अंधविश्वास के साये में जी रहा हमारा भारतीय समाज वैज्ञानिक सोच के साथ सोचना और समझना शुरू करेगा।

जब चांद पर पहुंचने की बात करने वाले लोग बिल्ली के रास्ता काटने पर अपना रास्ता नहीं बदलेंगे, कोई इंजीनियर और डॉक्टर अपनी कार में नींबू-मिर्च नहीं लगाएगा और लोग घरेलू क्लेश व अशांति का समाधान तांत्रिक की शरण में नहीं ढूंढने लगेंगे, तब जाकर देश में विज्ञान के लिए लोग समर्पित भाव से मुखर नजर आएंगे।

जब हमारा समाज तर्क, तथ्य और सबूतों की बात पर विश्वास अधिक और झूठ, अफवाह और काल्पनिक बातों पर विश्वास करना बंद कर देगा तब देश में 'विज्ञान दिवस' मनाने की सार्थकता सिद्ध हो पाएगी। हर बच्चे के अंदर एक छिपा हुआ वैज्ञानिक बैठा है लेकिन हमारी भारतीय शिक्षा प्रणाली कुछ ऐसी है कि स्कूल खत्म होते-होते उनमें छिपे वैज्ञानिक का गला घोंट उनमें डॉक्टर, इंजीनियर या मैनेजर बनने की चाहत बिठा दी जाती है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय संगठन क्लेरिवेट एनालिटिक्स ने दुनिया के सबसे काबिल 4,000 शोधकर्ताओं की सूची जारी की जिसमें अमेरिका 2,639 वैज्ञानिकों के साथ शीर्ष पर तो ब्रिटेन 546 वैज्ञानिकों और चीन 482 वैज्ञानिकों के साथ क्रमशः दूसरे व तीसरे पायदान पर रहे। इस सूची में भारत के केवल 10 शोधकर्ताओं के नाम शामिल हैं।

हैरानी की बात यह है कि इन 10 भारतीय शोधकर्ताओं में केवल 1 ही महिला है। इसके पीछे एक नहीं, बल्कि कई कारण जिम्मेदार हैं। पहला तो हमारा देश वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान पर बहुत ही कम खर्च करता है। भारत अपनी कुल जीडीपी का 063 प्रतिशत ही खर्च करता है। उससे भी दुखद बात यह है कि 2008-09 के बाद से यह खर्च कम ही हुआ है। शोध पर खर्च के मामले में भारत अपनी पंक्ति वाले देशों से भी काफी पीछे है। मसलन जहां विकसित देश अपनी जीडीपी का 2 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करते हैं, वहीं ब्रिक्स देशों की तुलना में भी भारत का खर्च सबसे कम है। चीन अपनी जीडीपी का 205, ब्राजील 124, रूस 1.19 और दक्षिण अफ्रीका 073 प्रतिशत हिस्सा अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है। वहीं हमारे देश में विज्ञान के अध्ययन के लिए पर्याप्त संसाधन व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नितांत अभाव होना है। सरकारी स्कूलों में विज्ञान संकाय है, तो प्रयोगशालाएं नहीं हैं। प्रयोगशालाएं हैं, तो शिक्षक नहीं हैं। इसलिए बेहतर वातावरण और महंगी फीस अदा करने में असक्षम मध्यम वर्ग से आने वाले छात्र चाहकर भी माध्यमिक शिक्षा पूरी होने के बाद विज्ञान संकाय न लेकर कला व वाणिज्य संकाय लेने के लिए विवश होते हैं। यदि हम भारत को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो हमें शोध पर जीडीपी बढ़ानी होगी। स्कूलों में मध्याह्न भोजन की तरह विज्ञान के उपकरण भी उपलब्ध कराने होंगे। प्रयोगशालाओं पर ध्यान देना होगा। वैज्ञानिक प्रतिभाओं को बेहतर रोजगार व अवसर उपलब्ध कराकर उनका पलायन रोकना होगा। विज्ञान की तरफ छात्र आकर्षित हों, इसके लिए बेहतर वातावरण कायम करना होगा।

विज्ञान संकाय के साथ पढ़ाई करने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति का अधिकाधिक लाभ पहुंचाकर उनकी आगे की शिक्षा आसान करनी होगी। यूरोप, अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे वैज्ञानिक प्रगति वाले देशों से सीखना होगा कि उन्होंने ऐसा क्या किया कि आज वे हमसे आगे हैं।

भारत रत्न प्राप्त महान वैज्ञानिक प्रोफेसर सीव्री. रमन (चंद्रशेखर वेंकटरमन) ने 1928 में कोलकाता में 28 फरवरी के दिन एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी, जो 'रमन प्रभाव' के रूप में प्रसिद्ध है। इसी खोज की याद में भारत में सन 1986 से प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (नेशनल साइंस डे) मनाया जाता है।

सी.वी.रमण की खोज थी 'रमन प्रभाव'

महान वैज्ञानिक सीव्री.रमण की यह खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई थी। इस कार्य के लिए उनको 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सीवी रमन ने इसकी खोज इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता की प्रयोगशाला में काम करने के दौरान की थी। चंद्रशेखर वेंकट रामन का जन्म तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में 7 नवम्बर 1888 को हुआ था और उनकी मृत्यु कर्नाटक के बेंगलुरू में 21 नवम्बर, 1970 को हुई थी। उनके माता पिता का नाम चंद्रशेखर अय्यर और पार्वती अम्माल था। पत्नी का नाम त्रिलोकसुंदरी था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने का उद्देश्य

इस दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य है भारत के छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करना, विज्ञान के क्षेत्र में नए प्रयोगों के लिए प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है।

क्या होता है इस दिन

इस दिन विज्ञान संस्थान, प्रयोगशाला, विज्ञान अकादमी, स्कूल, कॉलेज तथा प्रशिक्षण संस्थानों में वैज्ञानिक गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं। रमण प्रभाव के बारे में बताया जाता है। विज्ञान के प्रति भ्रांतियों को दूर कर आणविक सिद्धांत को समझाया जाता है।

क्या है रमन प्रभाव

रमन प्रभाव एक ऐसी घटना है जिसमें प्रकाश की किरण को अणुओं द्वारा हटाए जाने पर वह प्रकाश अपने तरंगदैर्ध्य में परिवर्तित हो जाता है। प्रकाश की किरण जब एक धूल-मुक्त, पारदर्शी रसायनिक मिश्रण से गुजरती है तो घटना (आनेवाली) बीम की दूसरी दिशा में प्रकाश का छोटा सा अंश उभरता है। इस बिखरे हुए प्रकाश का ज्यादातर हिस्से का तरंगदैर्ध्य अपरिवर्तित रहता है। हालांकि, छोटा सा अंश मूल प्रकाश की तरंगदैर्ध्य की तुलना में अलग तरंगदैर्ध्य वाला होता है और उसकी उपस्थिति रमण प्रभाव का परिणाम है।